श्रावण शुक्ल - 9 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 22 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 13-08-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य : अखिलेश

6 मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

7 मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती : कीर्ति कुल्हारी

फर्स्ट टेक

मंगलूरु-बेंगलूरु रेल लाइन पर मैसूर मंडल में भूस्खलन के कारण कई ट्रेन रद्द

मंगलुरु/भाषा। दक्षिण पश्चिम रेलवे की मंगलूरु–बेंगलूरु रेलवे लाइन पर मैसूर मंडल में सकलेशपुर और बल्लूपेट के बीच भूस्खलन के कारण 12 अगस्त से 14 अगस्त तक कई ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पलक्कड़ रेल मंडल के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मंगलुरु–बेंगलूरु रेल लाइन से होकर जाने वाली कई ट्रेन एक से तीन दिनों के लिए रद्द कर दी गयी है। रद्द की गई इन ट्रेन में मंगलूरु सेंट्रल– विजयपुरा स्पेशल एक्सप्रेस, केएसआर बेंगलूरु–कारवार एक्सप्रेस और कारवार– केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस शामिल हैं। रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि भूस्खलन के कारण रेल यातायात बाधित होने से यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि रेलवे प्रशासन ट्रैक को ठीक करने में जुटा है और शीघ्र ही उसे दुरुस्त कर लिये जाने की उम्मीद है।

कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में उच्च न्यायालय में सुनवाई टली

प्रयागराज/भाषा। मथुरा स्थित कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के मामले में कुछ मुकदमों में जवाब दाखिल नहीं किए जाने की वजह से इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई सोमवार को टाल दी। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की अदालत कर रही है। इससे पूर्व, एक अगस्त को अदालत ने कहा था कि यह मुकदमा विचार योग्य है। इस प्रकार, अदालत ने मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया था और इस मामले में सुनवाई की तिथि 12 अगस्त तय की थी। सोमवार को दोपहर दो बजे जब इस मामले में सुनवाई शुरू हुई, तो अदालत को बताया गया कि कुछ मुकदमों में जवाब दाखिल नहीं किया गया है। इस पर अदालत ने सुनवाई अगली तिथि तक के लिए टाल दी। अदालत द्वारा मामले में सुनवाई की अगली तिथि बाद में तय की जाएगी।

बांग्लादेश बैंक के दो डिप्टी गवर्नर ने दिया इस्तीफा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश बैंक के गवर्नर के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद दो डिप्टी गवर्नर और वित्तीय आसूचना इकाई (बीएफयूआई) के प्रमुख ने अंतरिम सरकार के निर्देश के बाद इस्तीफा दे दिया है। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने बताया कि इसके अलावा, केंद्रीय बैंक के एक सलाहकार ने भी गवर्नर को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

बारिश के बाद बेंगलूरु में जलभराव और यातायात जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सोमवार को सुबह हुई बारिश के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव के साथ ही जगह जगह यातायात जाम लग गया।

यातायात जाम और कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर जाने से शहर के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में विशेष रूप से दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल जाने वाले बच्चों को असुविधा हुई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नागवारा जंक्शन और हेब्बाल के बीच आउटर रिंग रोड (ओआरआर), इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी रोड पर वीरसंद्रा व होसुर रोड और बन्नेरघट्टा रोड के कुछ हिस्से बुरी तरह प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि मराठाहल्ली में ओआरआर, कार्तिक नगर और कल्याण नगर, पुत्तेनहल्ली, वरथुर कोडी, पनाथुर मेन रोड पर भारी जलजमाव देखा गया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि निचले इलाकों में कुछ घरों और आवासीय इलाकों में पानी घुस गया और कई अंडरपास भी जलमग्न हो गए।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने स्थिति का आकलन करने के लिए बारिश प्रभावित कुछ क्षेत्रों का दौरा किया। वह बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी भी हैं। उन्होंने कहा, अगर अपार्टमेंट और घरों में पानी घुस गया है तो इसे ठीक करेंगे। हम चाहते हैं कि भूजल स्तर बढ़े। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और भारतीय जनता पार्टी के नेता तेजस्वी सूर्या ने कहा कि सुबह–सुबह कुछ घंटों की बारिश के बाद बेंगलूरु में जलभराव और बाढ़ ने एक बार फिर शहर में नगरपालिका को चलाने वालों की अक्षमता को उजागर कर दिया है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए समर्पण के साथ कार्य करें युवा : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय युवा मामलों एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को युवाओं से सफल होने और वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया।

मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यहां 'युवा सम्मेलन 2024' को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र द्वारा शुरू किया गया 'मेरा युवा भारत' पोर्टल युवाओं के लिए एकल खिड़की मंच बन जाएगा।

इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस का विषय 'क्लिक से प्रगति तक: सतत विकास के लिए युवा डिजिटल मार्ग' है, जो डिजिटलीकरण के महत्व और इस परिवर्तन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है।

मांडविया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, ''यह 140 करोड़ की आबादी वाला देश है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे में युवाओं की विशेष जिम्मेदारी है।''

केंद्रीय मंत्री ने देश की आजादी के 100वें वर्ष, 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में युवाओं के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार युवा पीढ़ी की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश के युवाओं के लिए अवसर पैदा करके उन्हें सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है।

केंद्रीय युवा मामलों के मंत्री ने कहा, ''मुझे सफल लोगों में दो–तीन बातें समान लगीं, जिन्हें मैंने अपने जीवन में भी अपनाया। सफल लोगों में एक सामान्य विशेषता यह थी कि वे प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करते थे। प्रतिबद्धता और समर्पण, कड़ी मेहनत के साथ–साथ चौथा है लक्ष्य...लक्ष्य निर्धारित करें। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के साथ काम करें, तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।'' उन्होंने कहा, ''आज अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर देश और खुद के लिए सफल होने का संकल्प लें।

सेबी प्रमुख परामर्श कंपनियों को लेकर अपनी स्थिति साफ करें : हिंडनबर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हिंडनबर्ग रिसर्च ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख के खिलाफ आरोपों का सिलसिला जारी रखा है। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी ने उनसे परामर्श कंपनी के ग्राहकों के बारे में स्थिति साफ करने को कहा है, जिसमें पद पर रहते हुए भी उनकी हिस्सेदारी थी।

माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच के बयान के कुछ घंटे बाद हिंडनबर्ग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है कि उनकी प्रतिक्रिया में कई महत्वपूर्ण स्वीकारोक्ति शामिल हैं। कंपनी ने कई नये सवाल उठाये हैं।

इससे पहले बुच और उनके पति ने संयुक्त रूप से बयान जारी कर आरोपों को निराधार बताया है। दंपति ने कहा कि हिंडनबर्ग पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला कर रही है और चेयरपर्सन के 'चरित्र हनन' का भी प्रयास कर रही है।

हिंडनबर्ग ने कहा, ''बुच ने जो प्रतिक्रिया दी है, उससे यह अब सार्वजनिक रूप से साफ हो गया है कि बरमूडा/मॉरीशस कोष ढांचे में उनका निवेश था। यह वही कोष है जिसक विनोद अदाणी ने कथित तौर पर धन की हेराफेरी के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि यह कोष उनके पति के बचपन के दोस्त चला रहे था, जो उस समय अदाणी समूह में निदेशक थे।''

हिंडनबर्ग ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि बुच दंपति ने बरमूडा स्थित कोष की मॉरीशस पंजीकृत इकाई में अज्ञात राशि का निवेश करने के लिए सिंगापुर में एक संपत्ति प्रबंधन कंपनी के साथ 2015 में एक खाता खोला था। मॉरीशस कोष एक अदाणी निदेशक चला रहा था। इसकी मूल इकाई वह माध्यम था जिसका उपयोग अदाणी की दो एसोसिएट ने कोष की हेराफेरी करने और शेयर की कीमतें बढ़ाने के लिए किया था।

हिंडनबर्ग के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को कहा कि 'हिंडनबर्ग रिसर्च' ने कांग्रेस के साथ मिलकर देश को बदनाम किया है और अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी के खिलाफ 'सख्त से सख्त कार्रवाई' की जाएगी। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी बुच और उनके पति धबल बुच ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था। उसने कहा कि ये वही कोष हैं जिनका विनोद अदाणी ने कथित तौर पर पैसों की हेराफेरी करने तथा समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया था। विनोद अदाणी, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े भाई हैं। सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है।

देशभर के रेजिडेंट डाक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक अस्पताल में एक महिला रेजिडेंट डाक्टर के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में सोमवार से देशभर के सरकारी अस्पतालों के रेजिडेंट डाक्टर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं।

हड़ताल का आयोजन फेडरेशन आफ आल इंडिया रेजिडेंट डाक्टर एसोसिएशन ने किया है।रेजिडेंट या जूनियर डाक्टरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को देखते हुए देश के सभी सरकारी अस्पतालों ने व्यापक प्रबंध किये हैं जिससे आपातकालीन सेवायें बाधित नहीं हो। सभी वरिष्ठ डाक्टरों के अवकाश और दौरे रद्द कर दिये गए हैं और उन्हें संबंधित अस्पतालों के विभागों में पहुंचने को कहा गया है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार ओपीडी, आपरेशन और अन्य सेवाओं को बहाल रखने के लिए उचित उपाय किये हैं। लोक नायक अस्पताल और सफदरजंग अस्पताल में ओपीडी, वैकल्पिक सर्जरी और वार्ड सेवा पूरी तरह से बंद नहीं होंगी। सफदरजंग अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर, जनरल ड्यूटी मेडिकल ऑफिसर, विशेषज्ञ काम करेंगे। शिक्षकों को भी काम करने के लिए कहा गया है।

रेजिडेंट डाक्टर दुष्कर्म और हत्या के आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। इस बीच कोलकाता के संबंधित अस्पताल के प्रमुख ने त्यागपत्र दे दिया है। चिकित्सकों की सुरक्षा को लेकर महासंघ ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है और मृतक डॉक्टर के लिए शीघ्र न्याय और देश भर में सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए सुरक्षा मानकों को सख्ती से लागू करने की मांग की हैं।

चिकित्सकों ने ममता की समयसीमा पर सवाल उठाया

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के जूनियर चिकित्सकों ने सोमवार को सवाल उठाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले को सुलझाने के लिए सात दिनों की समयसीमा क्यों तय की। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मांगें पूरी होने तक वे अपनी हड़ताल जारी रखेंगे। महिला चिकित्सक से कथित बलात्कार और उसकी हत्या की मजिस्ट्रेट जांच की मांग को लेकर जूनियर चिकित्सकों की हड़ताल और जनाक्रोश के बीच सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वादा किया कि अगर पुलिस रविवार तक इस मामले को सुलझाने में विफल रहती है तो मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

अपनी मांगों को लेकर जूनियर चिकित्सक, प्रशिक्षु और परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सकों की हड़ताल सोमवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहने के कारण अस्पतालों में सेवाएं बाधित हैं।

बनर्जी के पारदर्शी जांच के वादे के बावजूद, प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई में देरी की आलोचना की और मामले की न्यायिक जांच की मांग की। साथ ही दोषियों के लिए मृत्युदंड और पीड़ित परिवार के लिए पर्याप्त मुआवजे की मांग की। प्रदर्शनकारी जूनियर चिकित्सकों ने जांच के बारे में फैलाई जा रही अफवाहों के लिए कोलकाता पुलिस से माफी मांगने की भी मांग की और जोर दिया कि अस्पताल के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को हटाया जाए और उन्हें कहीं और तैनात न किया जाए।

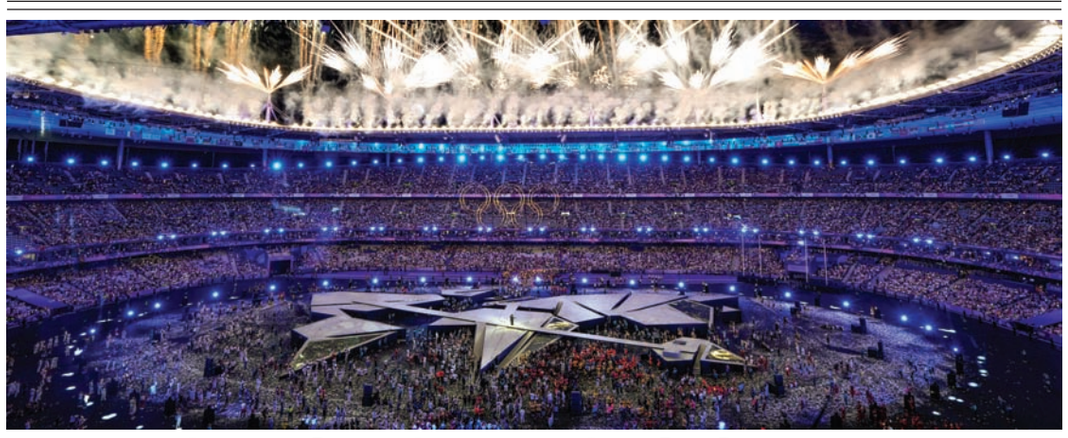

सितारों की प्रस्तुतियों के साथ पेरिस में 2024 के ओलंपिक का समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेंट-डेनिस (फ्रांस)/एपी। पेरिस में 2024 के ओलंपिक खेलों के समापन के साथ ही रविवार को लॉस एंजिलिस ने 2028 के ओलंपिक की मेजबानी की जिम्मेदारी संभाली और इस मौके पर अभिनेता टॉम क्रूज, ग्रेमी पुरस्कार विजेता बिली एलिश और अन्य हस्तियों ने प्रस्तुतियां दीं।

फ्रांस के नेशनल स्टेडियम में एक धमाकेदार, सितारों से सजे समारोह के साथ ओलंपिक खेलों का समापन हुआ, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने शांति के आह्वान वाला संदेश दिया और उपस्थित लोगों ने उल्लास के साथ जश्न मनाया।

पेरिस की तरह ओलंपिक का आयोजन करना लॉस एंजिलिस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। फ्रांस ने 100 वर्ष में अपनी मेजबानी में आयोजित पहले ओलंपिक खेलों के लिए अपने शहर की अवसंरचना का शानदार उपयोग किया, जिसमें एफिल टॉवर और अन्य प्रतिष्ठित स्मारकों की छाप भी रही।

अब लॉस एंजिलिस शहर ने भी दिखाने की कोशिश की है कि उसने भी पेरिस की तरह अपनी तैयारी कर ली है।

क्रूज फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' में अपने काल्पनिक किरदार एथन हंट के अंदाज में उतरे। उन्होंने जमीन पर उतरकर उत्साहित एथलीट से हाथ मिलाया और मशहूर जिमनास्ट सिमोन बाइल्स से ओलंपिक ध्वज लिया। उन्होंने इसे मोटरसाइकिल के पीछे लगाया और स्टेडियम से बाहर निकले।

यह पेरिस ओलंपिक की आखिरी शाम थी, लेकिन इसे भी यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई।

पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद को सैन्य हिरासत में लिया गया

- लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) को 'टॉप सिटी' मामले में लिया गया हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पूर्व आईएसआई प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को आवास योजना घोटाले के सिलसिले में कोर्ट मार्शल से पहले सेना ने गिरफ्तार कर लिया है। पाकिस्तान की सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए, लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ 'टॉप सिटी' मामले में

की गई शिकायतों की सत्यता का पता लगाने के लिए पाकिस्तानी सेना द्वारा एक विस्तृत जांच की गई थी।

इसमें कहा गया, इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

सेना ने कथित तौर पर इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के प्रमुख के खिलाफ पद के दुरुपयोग के आरोपों की जांच के लिए अप्रैल में एक जांच समिति गठित की थी।

लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हमीद को 2019 से 2021 तक जासूसी एजेंसी का नेतृत्व करते समय बेहद शक्तिशाली माना जाता था।

13-08-2024 सूर्यास्त 6:41 बजे	14-08-2024 सूर्योदय 6:07 बजे

BSE	NSE
79,648.92	24,347.00
(-56.98)	(-20.50)

सोना	चांदी
7,217 रु.	82,509 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

पूर्वाग्रह छोड़ें

क्या किसी एक दुर्घटना पर,
हम सबको दोषी कह डालें।
गलती तो कोई एक करे,
क्या बैर सभी से ही पालें।
ना धर्म जाति या वर्ग बुरे,
सबको ना इक साँचे ढालें।
जड़ताएं तज बन कर जहीन,
ऐसी सब स्थितियों को टालें।।

दान देने से पुण्यवानी बढ़ती है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि दान श्रावक का प्रमुख कर्त्तव्य हैं। दान देकर परोपकार के शुभ कार्यों में लगाकर अपने अर्थ का सदुपयोग करते हुए जीवन में पुण्य का उपार्जन कर लेना चाहिये। तीर्थकर परमात्मा भी अपने दीक्षा लेने से पूर्व प्रतिदिन एक वर्ष तक दान देते हैं और जगत में भव्य जीवों के समक्ष दान का एक अपूर्व आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। दान देने से पुण्यवानी बढ़ती है। लक्ष्मी पुण्य का अनुसरण करती हैं यानी कि लक्ष्मी भी पुण्य केन्द्रित रहती हैं। उन्होंने एक भजन के माध्यम से बताया कि यह अवसर बार-बार मिलने वाला नहीं हैं। आज जो आपके पास घन-वैभव सुख के साधन प्राप्त हैं, ये सब आपके पूर्व भव की दान-धर्म की पुण्यवानी का प्रताप हैं।

प्रारंभ में साध्वी श्री स्नेहप्रभाजी ने दान के महत्त्व पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए कहा कि जो अपनी प्राप्त वस्तु पर ममत्व भाव हटाते हुए, मन में श्रद्धा, अनुकम्पा, करुणा के अहोभावों के साथ जो साचक दूसरों को दान देता हैं वास्तव में वहीं सुपात्रदान का अधिकारी बनता हैं। सच्चा दान हैं वह हैं जो स्व-पर के उपकार के लिए दिया जाता है। दान देने से शुभ कर्मों का बन्ध और अशुभ कर्मों का क्षय होता है। उन्होंने दोष रहित दान को अग्नि में घी के समान उपयोगी वहीं दोष सहित दान को राख में घी के समान ब अनुपयोगी, सारहीन बताया। साध्वी श्री ने धर्म के चार अंग दान, शील, भाव, तप पर रोशनी डालते हुए कहा कि दान तीन प्रकार का होता है, अभयदान, सुपात्रदान और अनुकम्पा दान । पाँच महाव्रती साधु - साध्वी को दान देना श्रेष्ठ सुपात्रदान हैं। व्रतधारी श्रावक को दान देना मध्यम सुपात्रदान है तथा समकिती को दान देना जघन्य सुपात्रदान हैं। दया भाव से करुणा भाव से प्रेरित होकर दीन दुःखी, असहाय को देना अनुकम्पा दान कहलाता हैं। अभयदान और सुपात्रदान कर्म निर्जरा का स्वरूप होता हैं तथा अनुकम्पा दान पुण्य बंध का कारण होता है। प्रसन्नतापूर्वक गुप्तदान देना श्रेष्ठ दान हैं।

आगामी 15 अगस्त गुरुवार को स्वतन्त्रता दिवस महोत्सव के प्रसंग पर ध्वजारोहण के साथ बच्चों के लिए देश भक्ति पर आधारित फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। प्रवचन के पश्चात पैंसठिया छन्दजाप के लाभार्थी महावीरचंद धारीवाल परिवार को जाप कलश सौंपा गया। संचालन सहमंत्री रमेशचंद गुंदेचा ने किया।

रसों का त्यागी वैरागी कहलाता है : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक सेपिंग्स रोड चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्रीजी ने कहा वैरागी संत, चंचल बंदर, विधवा नारी ये तीनों जितना भूखे रहते है उतना ठीक है। जो साधक कमजोर मन के होते है उन पर रसों का प्रभाव जल्दी हो जाता है। जो साधना से सशक्त होते है वे परित्याग के तपस्वी होते है। उन्हें रस का कोई स्वाद पता नहीं होता, सिर्फ साधना के लिए लेते है। रस ही आध्यात्म साधना को नीरस बना देता है। जो रसों का त्यागी होता है वह वैरागी कहलाता है। साधक आत्मा अपने रसों का त्यागकर बड़ी बड़ी तपस्या कर जिनशासन की प्रभावना करते है। साध्वी धैर्याश्रीजी म सा ने कहा कि ज्ञानियों ने दो बातों की ओर आकर्षित किया, होने में प्रसन्न और करने में सावधान। जो इस सत्य को स्वीकार करता है कि जो हुआ अच्छा हुआ, जो होगा सो अच्छा होगा। वह अनुकूलता में सजग और प्रतिकूलता में सहज बना रहता है। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया।

कषायों के प्रति जागरूक रहना चाहिए : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनिजी ने कहा कि कषायों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि कषाय हमारी साधना में बाधक प्रमुख तत्व है। भगवान महावीर के समय आज के जैसे ही मनुष्य थे। लेकिन तब मनुष्य में सरलता थी। इसलिए मोक्ष सुलभ था। राजेशमुनिजी ने कहा कि झूठे अहम के कारण हमारी सहन शक्ति कमजोर होती जा रही है और हम छोटी छोटी बातों में उलझ और भड़क जाते हैं। भगवान महावीर के कानों में कीलें ठोक देने पर भी उन्होंने क्रंदन नहीं किया। धर्मसभा में ऋषभमुनिजी भी उपस्थित थे। अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरड़िया व महामंत्री अभयकुमार बांठिया, विल्सन गार्डन से महावीरचंद मकाना, अशोक कोठारी, नगरथपेट से महावीरचंद्र बोहरा आदि उपस्थित थे। संघमंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

हेल्पिंग हेंड्स संस्था के सदस्यों ने किया साध्वी दर्शन

मैसूरू/दक्षिण भारत। शहर के हेल्पिंग हेन्डस् कबूतर दान टीम के सदस्यों ने शिव्वमोग्गा में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी के दर्शन किया। इस अवसर पर मंगलज्योतिजी ने कहा कि व्यक्ति को जानने योग्य बातों को जानना चाहिए, सम्यक ज्ञान, दर्शन और चारित्र को प्राप्त करना चाहिए, मोक्ष लक्ष्य के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए तथा राष, द्वेष आदि कषायों का त्याग करना चाहिए।

साध्वीश्री विकासज्योतिजी ने कहा कि जिनवाणी को कान से नहीं, ध्यान से सुनना, रुटिंन से नहीं रुह से, तनाव से नहीं तन्मयता से तथा मानस से नहीं अहोभाव से सुनना चाहिए।

इस मौके पर अध्यक्ष महावीर खाबिया, मंत्री आनंद पटवा, कोषाध्यक्ष राजन बाघमार, मनोहर सांखला, पवन संचेती, सम्पत बाघमार, प्रकाश गांधी, जम्बू लोढा, सुनील पटवा, महावीर धोखा, गौतम पटवा आदि उपस्थित थे।

सामायिक अनुष्ठान एक महान व्रत है : विनयमुनि

बेंगलूरू/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक अनुष्ठान परमात्मा महावीर का बताया हुआ एक महान् व्रत है। इस पर श्रद्धा भक्ति कीर्तन और उपादेयता होगी, तभी इस व्रत का पालन करेंगे।

समभावों में जीने का अभ्यास के साथ साथ अहिंसा से युक्त व्यवहारिक जीवन जीने का प्रयास करें। आज जीवन में चंचलता शरीर और मन दोनों में बढ़ती जा रही है। शरीर से योग प्राणायाम ध्यान मौन का अभ्यास करना तो स्वस्थता भरी जीवन शैली जीने की तरफ ही बढ़ रहे है। जैन धर्म 'सामायिक' धर्म के अभ्यास करने की शिक्षा देता है। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने बताया कि मंगलवार से स्थानक में एक्युप्रेशर शिविर का आयोजन किया जा रहा है । संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया । संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने आभार प्रकट किया।

सेवानिवृत्ति के बाद जन्म तिथि में कोई बदलाव नहीं : कर्नाटक उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा है कि कोई भी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपनी रिकार्ड में दर्ज जन्म तिथि में बदलाव नहीं कर सकता। यह मामला एक ऐसे व्यक्ति से संबंधित था जो 1983 में नौकरी में आने से 2006 में सेवानिवृत्त होने तक 'पल्प ड्राइंग प्रोसेसर' विनिर्माण इकाई में काम करता था। जब उसे नौकरी पर रखा गया तो उसने मौखिक रूप से अपनी जन्म तिथि 30 मार्च 1952 बताई थी, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं दिया था। नियोक्ता ने उसके भविष्य निधि विवरण और स्कूल प्रमाण पत्र के आधार पर उसकी जन्मतिथि 10 मार्च 1948 दर्ज की। इसका मतलब यह हुआ कि वह 2006 में 58 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हुआ। रिटायरमेंट के बाद, उस व्यक्ति ने 30 मार्च, 1952 को अपनी जन्मतिथि दर्शाने वाला जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त किया। फिर उसने 2010 तक लाभ प्राप्त करने के लिए या पुन: बहाल किए जाने के लिए कहा और तर्क दिया कि उसे चार साल बाद रिटायर होना चाहिए था।

नियोक्ता ने उसके अनुरोध को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि दर्ज की गई तारीख सही है और उसने बिना कोई मुद्दा उठाए पहले ही अपने सेवानिवृत्ति लाभ स्वीकार कर लिए हैं। व्यक्ति ने पहले अपना मामला श्रम न्यायालय में उठाया, जिसने उसे खारिज कर दिया। फिर उसने उच्च न्यायालय में अपील की। मामले की सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति एम.जी.एस. कमल ने कहा कि व्यक्ति ने सेवानिवृत्त होने के दो साल बाद अपनी जन्मतिथि पर सवाल उठाया, जिससे उसके दावे पर संदेह पैदा होता है। अदालत ने सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले का भी हवाला दिया, जो सेवानिवृत्ति के बाद जन्मतिथि में परिवर्तन करने पर रोक लगाता है, विशेषकर यदि कर्मचारी के पास पहले इसे सुधारने का मौका था, उसने ऐसा नहीं किया। अदालत ने पाया कि भविष्य निधि में दर्ज जन्मतिथि, जो व्यक्ति के स्कूल रिकॉर्ड से मेल खाती थी, अंतिम थी। उस व्यक्ति ने क्योंकि उस समय सेवानिवृत्ति पर सवाल नहीं किया था तथा अपने लाभों को स्वीकार किया, इसलिए अदालत ने फैसला सुनाया कि दावा अनुचित लाभ प्राप्त करने का प्रयास था। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कोई भी कर्मचारी काफी समय बीत जाने के बाद, विशेषकर सेवानिवृत्ति के बाद, जन्म तिथि बदलने की मांग नहीं कर सकता।

गुजरात के हीरा उद्योग पर संकट के बीच 'सुसाइड हेल्पलाइन' नंबर पर लगातार कॉल कर रहे हैं श्रमिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। डायमंड वर्कर्स यूनियन गुजरात (डीडब्ल्यूयूजी) द्वारा 15 जुलाई को शुरू की गई 'सुसाइड हेल्पलाइन नंबर' पर इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की ओर से 1,600 से अधिक संकटपूर्ण कॉल आई हैं। इस पहल से जुड़े एक पदाधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए, डीडब्ल्यूयूजी के उपाध्यक्ष भावेश टांक ने कहा कि पिछले 16 माह में सूरत में 65 हीरा श्रमिकों ने आत्महत्या की है, उनमें से अधिकांश ने वेतन कटौती और नौकरी छूटने के कारण उत्पन्न कठिनाइयों के कारण यह चरम कदम उठाया, जो उद्योग में मंदी का परिणाम है। सूरत इस क्षेत्र के प्रमुख केंद्रों में से एक है, जहां दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत कच्चे हीरे तराशे और पॉलिश किए जाते हैं। यह काम 2,500 से अधिक इकाइयों में कार्यरत लगभग 10 लाख श्रमिकों द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा, ''हमने 15 जुलाई को यह हेल्पलाइन नंबर शुरू किया था। अब तक हमें 1,600 से ज़्यादा कॉल आ चुकी हैं, जिनमें से कई ने कहा है कि वे वित्तीय तनाव के कारण अपनी जान लेने के कगार पर हैं। कॉल करने वाले ज़्यादातर लोग पिछले कुछ महीनों में बेरोज़गार हो गए हैं। वे रोज़गार की तलाश में भी परेशान हैं।'' टांक ने बताया, ''जिन लोगों के वेतन में 30 प्रतिशत तक की कटौती हुई है, वे अपने बच्चों की स्कूल फीस, घर का किराया, घर और वाहन लोन की मासिक किस्त आदि चुकाने में मदद मांगते हैं। यूक्रेन-रूस और इज़राइल-गाजा संघर्षों के साथ-साथ प्रमुख बाज़ार चीन में कमज़ोर मांग के कारण आपूर्ति ज़्यादा है, जिसके कारण इस साल 50,000 कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है।'' रविवार को एक कार्यक्रम में सूरत में इकाई वाली हीरा निर्माण कंपनी धर्मनंदन डायमंड्स के चेयरपर्सन लालजी पटेल ने प्रत्येक छात्र को 15,000 रुपए की वित्तीय सहायता देने की घोषणा की और इस क्षेत्र के ज़रूरतमंद परिवारों को चेक वितरित किए।

धर्मनंदन डायमंड्स ने एक बयान में कहा, ''छोटी हीरा इकाइयों के बंद होने से कुछ जौहरियों की नौकरी चली गई है और वे घर चलाने और यहां तक कि अपने बच्चों की स्कूल और कॉलेज की फीस भरने में भी असमर्थ हैं।'' वित्तीय संकट को झेलने में असमर्थ हीरा श्रमिकों द्वारा आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच, सूरत डायमंड वर्कर्स यूनियन ने हाल ही में एक हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है, जहां कई श्रमिकों ने अपने बच्चों की स्कूल और कॉलेज की फीस भरने में सहायता के लिए अनुरोध किया है। बयान में कहा गया है, ''वित्तीय सहायता मांगने वाले परिवारों की वित्तीय स्थिति का सर्वेक्षण करने के बाद, उन्हें स्कूल की फीस के लिए चेक दिए गए।

सत्तारूढ़ गठबंधन को लगता है कि रिश्ते और चुनाव पैसे से जीते जा सकते हैं: सुप्रिया

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने मुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजना को लेकर सोमवार को महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को लगता है कि रिश्ते और चुनाव पैसे से जीते जा सकते हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार द्वारा पिछले महीने राज्य के बजट में घोषित इस योजना के तहत ढाई लाख से कम वार्षिक पारिवारिक आय वाली महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपए आर्थिक सहायता के तौर पर दिये जाएंगे। राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना का बढ़चढ़कर प्रचार किया जा रहा है। सुले ने कहा, रिश्तों और लेन-देन के बीच अंतर होता है। सत्तारूढ़ गठबंधन को लगता है कि रिश्ते और चुनाव पैसे से जीते जा सकते हैं। खून के रिश्ते और प्यार लेन-देन से अलग होता है।

सरकार के पास सेबी से अलग हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर कहने को कुछ नहीं : अजय सेठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसके पास हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट पर सेबी और उसकी चेयरपर्सन के बयान के बाद कुछ अतिरिक्त बोलने को नहीं है।

हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाये गए आरोपों को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वतंत्र एजेंसी से मामले की जांच कराकर वास्तविक स्थिति का पता लगाना चाहिए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति पर अदाणी से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी होने का आरोप लगाया था।

यहां पत्रकारों से कहा, '' सेबी ने बयान दे दिया है। चेयरपर्सन ने भी बयान दिया है। सरकार को इसपर और कुछ नहीं कहना है।'' आरोपों के जवाब में बुच दंपति ने रविवार को एक संयुक्त बयान में कहा था कि ये निवेश 2015 में किए गए थे, जो 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति तथा मार्च ,2022 में चेयरपर्सन के रूप में उनकी पदोन्नति से काफी पहले था। ये निवेश '' सिंगापुर में रहने के दौरान निजी तौर पर आम नागरिक की हैसियत से'' किए गए थे। सेबी में उनकी नियुक्ति के बाद ये कोष ''निष्क्रिय'' हो गए। सेबी ने भी अपनी चेयरपर्यन का बचाव किया। दो पृष्ठ के बयान में कहा गया कि बुच ने समय-समय पर प्रासंगिक खुलासे किए हैं।

हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बीच अदाणी समूह की आठ कंपनियों के शेयरों में गिरावट, दो में लाभ

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह की सूचीबद्ध 10 कंपनियों में से आठ के शेयर सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। अदाणी विल्मर के शेयर में 4% की गिरावट आई। अमेरिकी शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अदाणी समूह के शेयरों में गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स पर कारोबार के अंत में अदाणी विल्मर का शेयर 4.14%, अदाणी टोटल गैस का 3.88%, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का 3.70%, एनडीटीवी का 3.08%, अदाणी पोर्ट्स का 2.02%, अदाणी एंटरप्राइजेज का 1.09%, एसीसी का 0.97% और अदाणी पावर का 0.65% गिरा। हालांकि, समूह की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 0.55% और अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर 0.22% चढ़ा। दिन में कारोबार के दौरान अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 17%, अदाणी टोटल गैस का 13.39%, एनडीटीवी का 11% और अदाणी पावर का 10.94% लुढ़का था। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 6.96 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अदाणी एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत और एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धबल बुच ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था।

जम्मू-कश्मीर में 'हर घर तिरंगा' अभियान एक जन आंदोलन बन गया है: उपराज्यपाल सिन्हा

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को यहां तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाई और इस यात्रा में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों सहित हजारों लोग शामिल हुए। उपराज्यपाल ने कहा, ''जम्मू-कश्मीर में हर घर तिरंगा अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। हमारा प्यारा और विजयी तिरंगा दुनिया में ऊंचा लहराए।'' सिन्हा ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे राष्ट्रीय ध्वज को अपने घर ले जाएं और इसे गर्व एवं सम्मान के साथ फहराएं तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान का हिस्सा बनें। उपराज्यपाल ने यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नागरिकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में, केंद्र शासित प्रदेश में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हर घर तिरंगा अभियान को अपनाया है और इसे गर्मजोशी से अपना समर्थन दिया है।

हिंडनबर्ग के आरोपों की न्यायिक जांच कराई जाए: वित्त मंत्रालय के पूर्व सचिव

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व नौकरशाह ईएएस शर्मा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर सेबी प्रमुख के मामले में हितों के टकराव के कारण अदाणी समूह की जांच प्रभावित होने के आरोपों की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। उन्होंने अमेरिकी शोध और निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाये गए आरोपों को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वतंत्र एजेंसी से मामले की जांच कराकर वास्तविक स्थिति का पता लगाना चाहिए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति पर अदाणी से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी होने का आरोप लगाया था।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पर घुसपैठ-रोधी ग्रिड को और मजबूत किया जाएगा : उपराज्यपाल सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

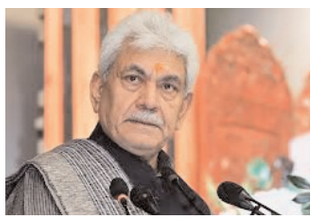

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा पर घुसपैठ-रोधी ग्रिड को और मजबूत किया जा रहा है।

उपराज्यपाल ने पाकिस्तान पर आतंकवाद का जरिया होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह (पड़ोसी देश) जम्मू-कश्मीर में शांति और सामान्य स्थिति को बिगाड़ने के अपने प्रयास में कभी सफल नहीं होगा। सिन्हा ने कहा, घुसपैठ-रोधी ग्रिड को पहले की तुलना में मजबूत किया गया है। घुसपैठ के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए इसे और मजबूत किया जाएगा। सुरक्षा बलों ने पिछले दो महीनों में जम्मू-कश्मीर के पुंछ, कुपवाड़ा, राजौरी और बांदीपोरा सेक्टर में घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम करते हुए कई आतंकवादियों को मार गिराया है। सुरक्षा एजेंसियों का अनुमान है कि जम्मू क्षेत्र की पहाड़ियों में लगभग 60 से 70 विदेशी घुसपैठी आतंकवादी सक्रिय हैं। जम्मू क्षेत्र के उधमपुर, कठुआ, सांबा, डोडा, पुंछ और राजौरी जिलों में उच्च प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा सेना के जवानों, तीर्थयात्रियों और पुलिस पर किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद प्रशासन ने आंतरिक इलाकों में बलों की पुनः तैनाती और सीमा पर 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की दोहरी रणनीति अपनाई है। आंतरिक इलाकों में फिर से बलों की तैनाती की जाएगी तथा अधिक बलों के साथ त्रि-स्तरीय घुसपैठ-रोधी बाधा प्रणाली को सुदृढ़ करके आंतरिक क्षेत्रों में सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया जाएगा।

नटवर सिंह पंचतत्व में विलीन, कई नेताओं ने दी अंतिम विदाई

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह सोमवार को यहां पंचतत्व में विलीन हो गए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई नेताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी। नटवर सिंह का लंबी बीमारी के बाद शनिवार रात को निधन हो गया था। वह 93 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में बारिश के बीच लोधी शव दाहगृह में दोपहर को किया गया। नटवर सिंह के परिवार के सदस्यों, मित्रों और समर्थकों के अलावा विदेश मंत्री जयशंकर, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कई नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शवदाहगृह पहुंचे। सिंह को मुखाग्नि दिए जाने से पहले जयशंकर ने भी उनकी चिता पर सम्मान स्वरूप एक लकड़ी रखी। अंतिम संस्कार में शामिल हुए एक पारिवारिक मित्र ने कहा, ''कई नेता नटवर साहब को श्रद्धांजलि देने के लिए आए।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने दिल्ली के समीप गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली थी जहां उन्हें कुछ सप्ताह पहले भर्ती कराया गया था। नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान में भरतपुर जिले के जघीना गांव में हुआ था। वह भारतीय विदेश सेवा में थे, लिहाजा जब वह राजनीति में आए तो उनके पास कूटनीतिक मामलों की समझ, पकड़ और अनुभवों की थाती भी साथ थी। वह अच्छे लेखक भी थे और उन्होंने ''महाराजा'' के जीवन से लेकर विदेश मामलों की बारीकियों तक के विषयों पर किताबें लिखीं। उन्हें 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

होमी भाभा के शेफर पेन, मोती के तीन बटन समेत दुर्लभ सामान की नीलामी होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रमुख वैज्ञानिक रहे होमी भाभा का 14-कैरेट सोने की निब वाला शेफर पेन, एक कलाकृति और मोती के तीन विशिष्ट बटन का एक सेट भाभा परिवार के उन दुर्लभ सामान में शामिल हैं जिनकी मुंबई में एक आगामी कार्यक्रम में नीलामी की जाएगी। 'नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स' (एनसीपीए) ने सोमवार को यह घोषणा की। भाभा के माता-पिता ने उन्हें ये वस्तुएं उपहार में दी थीं। कला नीलामी 'एन इवनिंग विद द माइस्ट्रो' जमशेद भाभा थिएटर में 17 अगस्त को प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकार जुबिन मेहता के एक कार्यक्रम के तुरंत बाद आयोजित की जाएगी। कभी डॉ. होमी भाभा के पास रहे विशिष्ट शेफर पेन के लिए बोली 50,000 रुपए से शुरू होगी। होमी भाभा द्वारा 1928 में बनायी गई प्राकृतिक दृश्य वाली पेंटिंग कला व विज्ञान के लिए उनके जुनून को दर्शाती है। इसके लिए बोली 5,00,000 रुपए से शुरू होगी।

भाभा द्वारा 1920 के दशक में कैम्ब्रिज के दौरान बनायी गई 'मिक्स्ड मीडिया न्यूड स्डी' वाली कलाकृति की भी नीलामी की जाएगी। इस कलाकृति की नीलामी के लिए बोली 1,00,000 रुपए से शुरू होगी। डॉ. भाभा के माता-पिता द्वारा 1936 में लिए एक भावनात्मक पत्र के साथ मोती के तीन विशिष्ट बटन का एक सेट नीलामी में आकर्षण का केंद्र होगा जिसका उनसे व्यक्तिगत जुड़ाव रहा है। इस बटन सेट के लिए बोली 1,00,000 रुपए से शुरू होगी।

जेआरडी टाटा द्वारा हस्ताक्षरित और 2004 में पेश की गई 'लिमिटेड एडिशन' वाली 'टाइटन एज' की एक घड़ी को भी नीलामी में पेश किया जाएगा। यह घड़ी टाटा की जन्मशती के अवसर पर डॉ. जमशेद जे भाभा को भेंट की गई थी।

वृद्धि अवसरों का लाभ उठाने के लिए आईपीओ लाने की तैयारी: कार्स24

नई दिल्ली/भाषा। पुरानी कारों के खरीद-बिक्री मंच कार्स24 की आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी है। कंपनी के सह-संस्थापक गजेंद्र जांगिड़ ने सोमवार को कहा कि आईपीओ का मकसद घरेलू बाजार में वृद्धि अवसरों का लाभ उठाना है। गुरुग्राम मुख्यालय वाली इस कंपनी का कारोबार पहले ही एक अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर चुका है। कंपनी को उम्मीद है कि भारत में अगले दस साल में पुरानी या सेकंड हैंड का बाजार 100 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। जांगिड़ ने कहा कि आईपीओ कंपनी की यात्रा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने बताया, ''हम इसके लिए आंतरिक रूप से तैयारी कर रहे हैं। मैं इस बारे में कोई रूपरेखा नहीं बना रहा हूं कि हम कब तक आईपीओ लाएंगे, लेकिन उस दिशा में प्रगति हो रही है।'' चीन और अमेरिकी की तुलना में देश में लोगों के पास कारें कम हैं।

कर्नाटक सरकार सभी बांधों की स्थिति के आकलन के लिए विशेषज्ञ समिति गठित करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तुंगभद्रा जलाशय के एक द्वार के बह जाने की पृष्ठभूमि में कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार सभी बांधों की स्थिति का आकलन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन कर रही है। शिवकुमार ने कहा कि बांध के द्वार को लगाने के प्रयास जारी हैं और इस मुद्दे पर किसी को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। वह राज्य के जल संसाधन मंत्री भी हैं। कोप्पल जिला मुख्यालय शहर के पास तुंगभद्रा जलाशय का एक द्वार (19वां गेट) शुक्रवार मध्य रात्रि को जंजीर टूट जाने के कारण बह गया। इसके बाद भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों को अलर्ट कर दिया गया।

शिवकुमार ने कहा, कल मैंने टी बी (तुंगभद्रा) बांध का दौरा किया, हमने तत्काल कदम उठाए हैं। मैंने ठेकेदारों से बात की है और हमने डिजाइन भेज दिए हैं। चार से पांच दिनों में हम इसकी मरम्मत करने की कोशिश करेंगे। हम अपने किसानों के लिए कम से कम एक फसल बचाना चाहते हैं, इसके लिए हम सभी जरूरी कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री भी कल वहां जा रहे हैं। मैंने तकनीकी टीम से भी चर्चा की है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मैं इस बात से इनकार नहीं कर रहा कि यह खतरनाक था, 70 साल में पहली बार ऐसा हुआ है, लेकिन किसानों सहित किसी को भी चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, हम सभी बांधों की सुरक्षा के लिए एक समिति गठित करेंगे और उन्हें सभी बांधों पर भेजेंगे। एक-दो दिन में एक विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी और उसे सभी बांधों का दौरा करने तथा आकलन के बाद उनसे रिपोर्ट मांगने के लिए भेजा जाएगा।

केंद्रीय जल आयोग और राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा बनाए गए बड़े बांधों के राष्ट्रीय रजिस्टर के अनुसार वर्तमान में कर्नाटक में 231 बड़े बांध संचालित हैं। रविवार को तुंगभद्रा बांध का दौरा करने के बाद शिवकुमार ने कहा था कि बांध की संरचना को नुकसान पहुंचने की आशंका के चलते सभी द्वार खोल दिए गए हैं, जहां से 38,000 क्यूसेक पानी पड़ोसी राज्यों (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) को छोड़ा जा रहा है, जबकि बांध में 28,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह है।

उन्होंने यह भी कहा कि छोड़े जा रहे 38,000 क्यूसेक पानी में से 35,000 क्यूसेक पानी 19वें द्वार से ही बह रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार 133 'हजार मिलियन क्यूबिक फीट' (टीएमसीएफटी) की अधिकतम भंडारण क्षमता वाले तुंगभद्रा बांध में शनिवार तक 100 टीएमसीएफटी पानी था, जबकि शेष गाद थी। एक टीएमसीएफटी में करीब 11,000 क्यूसेक होता है।

तुंगभद्रा बांध के क्रेस्ट गेट की मरम्मत का काम शुरू हो गया : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री एवं सिंचाई मंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि तुंगभद्रा बांध के क्रेस्ट गेट की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि मरम्मत के लिए जल स्तर को एक निश्चित बिंदु तक कम करना जरूरी होगा। यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जलाशय का दौरा किया है और मरम्मत कार्य में सहायता के लिए जिंदल कंपनी तथा अन्य लोगों से बात की है। उन्होंने कहा कि तकनीशियन इस समस्या का समाधान करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। काम के बारे मे जल्द ही स्थिति साझा की जाएगी। क्या इस घटना के लिए किसी को जिम्मेदार ठहराएंगे, के

जवाब में उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बांध की सुरक्षा और किसानों का कल्याण सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा कि फिलहाल इस समस्या को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बाद में इसकी वजहों पर गौर करेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए पानी बचाने के वास्ते क्रेस्ट गेट बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। जब तक बांध में पानी का स्तर एक निश्चित बिंदु तक नहीं आ जाता, तब तक इस पर काम करना संभव नहीं है।

कुमारस्वामी के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर कि केआरएस बांध को लेकर भी समस्या है, उन्होंने कहा कि उन्हें (कुमारस्वामी) किसी मुद्दे का राजनीतिकरण करने के अलावा कुछ नहीं आता। मुझे नहीं पता कि उन्हें केआरएस में कौनसा मुद्दा नज़र आया है। उन्होंने कहा कि हमने एक जलाशय सुरक्षा समिति बनाई है और उसे कर्नाटक के सभी जलाशयों की रिपोर्ट सौंपने को कहा है। किसानों में डर पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

सोमवार को बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बारिश प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया।

बेंगलूरु में बारिश के बाद जलभराव और यातायात जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सोमवार को सुबह हुई बारिश के बाद शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव के साथ ही जगह जगह यातायात जाम लग गया। यातायात जाम और कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर जाने से शहर के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में विशेष रूप से दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल जाने वाले बच्चों को असुविधा हुई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नागवारा जंक्शन और हेब्बाल के बीच आउटर रिंग रोड (ओआरआर), इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी रोड पर वीरसंद्रा व होसुर रोड और बन्नेरघट्टा रोड के कुछ हिस्से बुरी तरह प्रभावित हुए।

उन्होंने कहा कि मारथहल्ली में ओआरआर, कार्तिक नगर और कल्याण नगर, पुत्तेनहल्ली, वरथुर कोडी, पनाथुर मेन रोड पर भारी जलजमाव देखा गया। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि निचले इलाकों में कुछ घरों और आवासीय इलाकों में पानी घुस गया और कई अंडरपास भी जलमग्न हो गए।

चिकपेट क्षेत्र में काफी जल भराव देखा गया। चिकपेट मेट्रो के बाहर दो फीट पानी जमा हुआ गया। केआर मार्केट में फूल बाजार में पानी भर जाने से फूलों को काफी नुकसान हुआ। सिटी रेलवे स्टेशन के पास ओकलीपुरम् अंडरपास में पानी जमा हो जाने से काफी जाम लग गया। वहीं जयदेवा अस्पताल के पास अंडरपास में 5 से 6 फीट पानी जमा हो गया। बेंगलूरु के प्राय सभी अंडरपासों का यही हाल रहा। यलहंका के अमृताहल्ली में मुनिस्वामीप्पा लेआउट में भी घरों में पानी भर गया। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई घरों से तो घर के सामान पानी में बहते हुए बाहर निकल गए लोग उन्हें पकड़ते दिखे। यलहंका के रमणश्री केर्लिफोर्निया गार्डन में राजकालुवे का पानी भर गया। नार्थ वुड विला में भी जल भराव देखा गया। पुलकेशीनगर में भी जलभराव देखा गया। मारथहल्ली में भी कई अपार्टमेंटों में पानी भर गया।

सर्वाधिक कोडगेहल्ली में 61 मिमी बारिश हुई। वहीं वीवीपुरम् में 57 मिमी बारिश हुई।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने स्थिति का आकलन करने के लिए बारिश प्रभावित कुछ क्षेत्रों का दौरा किया। वह बेंगलूरु विकास मामलों के प्रभारी भी हैं। उन्होंने कहा, अगर अपार्टमेंट और घरों में पानी घुस गया है तो इसे ठीक करेंगे। हम चाहते हैं कि भूजल स्तर बढ़े। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद और भारतीय जनता पार्टी के नेता तेजस्वी सूर्या ने कहा कि सुबह-सुबह कुछ घंटों की बारिश के बाद बेंगलूरु में जलभराव और बाढ़ ने एक बार फिर शहर में नगरपालिका को चलाने वालों की अक्षमता को उजागर कर दिया है।

डीएडी ने पेंशनभोगियों की शिकायतों के निवारण के लिए विशेष अभियान चलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) ने सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को समर्पित एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें वह सहयोग और मान्यता मिले, जिसके वे हकदार हैं। इस अभियान के तहत एक समर्पित सहायता डेस्क भी है, जिसे 5 अगस्त को शुरू किया गया था। यह 15 सितंबर तक जारी रहेगी। इस पर पेंशन से संबंधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा। हेल्प डेस्क से नं. 09739793933 और 080-29710474, 75 या ईमेल आईडी सीडीए-बीएलओआर एट एनआईसी.इन पर संपर्क किया जा सकता है। शिकायत निर्धारित प्रारूप में निकटतम रक्षा विभाग कार्यालय में ईमेल/आवेदन के जरिए प्रस्तुत की जा सकती है। फॉर्म सीजीडीए.एनआईसी.इन वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन/शिकायत प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त है। सीजीडीए ने कहा है कि हम सभी डीएडी पेंशनभोगियों को इस पहल के जरिए उपलब्ध संसाधनों और सहायता का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। अधिक जानकारी के लिए पीसीडीए बेंगलूरु एएओ रवि प्रकाश मिश्रा से नंबर 09739793933 (कॉल एवं वॉट्सऐप) पर संपर्क किया जा सकता है।

गुलबर्गा विश्वविद्यालय में 42वां दीक्षांत समारोह

राज्यपाल ने 2047 तक शतप्रतिशत साक्षरता का आह्वान

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। गुलबर्गा विश्वविद्यालय के 42वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में, कर्नाटक के माननीय राज्यपाल, थावरचंद गहलोत ने एक प्रभावशाली भाषण दिया, जिसमें देश से भारत की स्वतंत्रता की शताब्दी, 2047 तक शत प्रतिशत साक्षरता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. बीआर अंबेडकर हॉल में हुआ जहां राज्यपाल ने भारत के भविष्य को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा, भारत, जो कभी अपनी संपत्ति और समृद्धि के लिए 'सोने की चिड़िया' के रूप में जाना जाता था, को अब एक बार फिर से वैश्विक नेता बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए, हमें शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, यह सुनिश्चित करना होगा कि 2047 तक प्रत्येक नागरिक साक्षर हो। कहा गया. उन्होंने वर्तमान साक्षरता दर की ओर इशारा करते हुए कहा कि जहां 75 प्रतिशत पुरुष साक्षर हैं, वहीं महिलाओं में यह प्रतिशत कम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा सफलता की कुंजी है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उन्होंने विश्वविद्यालय समुदाय से समृद्ध भारत के दृष्टिकोण में योगदान देने का आग्रह किया, उन्होंने कहा, भारत वर्तमान में वैश्विक आर्थिक प्रगति में पांचवें स्थान पर है, और हमारे प्रधान मंत्री हमारे देश को तीसरे स्थान पर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिकता की आवश्यकता है सभी नागरिकों का प्रयास।

शिक्षा पर अपना ध्यान केंद्रित करने के अलावा, राज्यपाल गहलोत ने 'वृक्षारोपण महाभियान' पहल के माध्यम से पर्यावरणीय कार्रवाई का आह्वान किया। उन्होंने कर्नाटक भर के विश्वविद्यालयों को 'एक पेड मां के

नाम' अभियान के हिस्से के रूप में पौधे लगाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा करना और वायु प्रदूषण को कम करना है। उन्होंने सलाह दी, इन पौधों को उसी देखभाल के साथ पाला जाना चाहिए जैसे माताएं अपने बच्चों को प्रदान करती हैं।

जंगली हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है : स्टालिन

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिए राज्य सरकार के ठोस प्रयासों के कारण तमिलनाडु में हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में हाथियों की भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हाथियों का भूमि के साथ घनिष्ठ संबंध तमिल साहित्य में उल्लेखित संदर्भों से महसूस किया जा सकता है, जहां उन्हें विभिन्न नामों से जाना जाता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जैव विविधता के संरक्षण के लिए हमारी सरकार के ठोस प्रयास के कारण मैं आपके साथ यह खुशखबरी साझा करता हूं कि हमारे सत्ता में आने के बाद से हाथियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। हैशटैग विश्व हाथी दिवस। स्टालिन ने तमिलनाडु के 25 वन प्रभागों के 23 मई से चल रही तीन दिवसीय हाथी गणना में लगे वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों का एक वीडियो पोस्ट किया।

आईटीआई लिमिटेड

सीआईएन सं: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणीनगर, बेंगलूरु - 560016
वेबसाईट : www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
दूरभाष: +91(80) 2561 7486; फैक्स: +91 (80) 2561 7525

30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम का विवरण (अनंतिम)

लाख रु. में सिवाए प्रति शेयर ऑकड़े

क्रम सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
		30.06.2024	31.03.2024	30.06.2023	31.03.2024	31.03.2023
		अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
1.	प्रचालन से कुल आय	51,998	60,128	15,704	126,363	139,545
2.	कर से पहले की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पहले कर)	(6,461)	(23,894)	(10,260)	(56,906)	(36,010)
3.	कर के पूर्व निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(6,461)	(23,894)	(10,260)	(56,906)	(36,010)
4.	कर के पश्चात की अवधि का निवल लाभ/(हानि) (अपवादात्मक और अपवादी मद के पश्चात कर)	(9,131)	(23,882)	(10,281)	(56,892)	(35,985)
5.	अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	(530)	2,439	(1,520)	(2,121)	(6,079)
6.	अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ / (हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(9,661)	(21,443)	(11,801)	(59,013)	(42,064)
7.	इक्विटी शेयर पूँजी का भुगतान	96,089	96,089	96,089	96,089	94,958
8.	अन्य इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियाँ को शामिल किए बिना) जैसा कि पिछले वर्ष की लेखापरीक्षित तुलन-पत्र में दिखाया गया है।		(71,256)		82,346	142,476
9.	अर्जन प्रति शेयर (10रू./प्रति) (जारी रखने एवं बंद किए गए कार्यों के लिए)					
	1. बेसिक (रू. में)	(0.95)	(2.49)	(1.08)	(5.93)	(3.81)
	2. डायल्युटेड (रू. में)	(0.95)	(2.49)	(1.08)	(5.93)	(3.81)

टिप्पणी :

क) उपर्युक्त वित्तीय परिणाम 30.06.2024 को समाप्त तिमाही लेखापरीक्षा समिति द्वारा 12.08.2024 को समीक्षा की गई और संस्तुति के पश्चात् निदेशक मंडल द्वारा 12.08.2024 को संपन्न बैठक में अनुमोदित किए गए।

ख) स्टैंडअलोन कुंजी की वित्तीय जानकारी :

विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष	
	30.06.2024	31.03.2024	30.06.2023	31.03.2024	31.03.2023
	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
प्रचालन से कुल आय	51,998	60,128	15,704	126,363	139,545
कर के पूर्व लाभ	(6,461)	(23,894)	(10,260)	(56,906)	(36,010)
कर के पश्चात लाभ	(9,108)	(23,894)	(10,260)	(56,906)	(36,010)
अवधि के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)	(530)	2,439	(1,520)	(2,121)	(6,079)
अवधि के लिए कुल व्यापक आय [अवधि के लिए लाभ/(हानि) (कर के पश्चात्) और अन्य व्यापक आय (कर के पश्चात्) शामिल]	(9,638)	(21,455)	(11,780)	(59,027)	(42,089)

ग) उपर्युक्त स्टॉक एक्सचेंजों के सम्मुख सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) 2015 के विनियम 33 के अंतर्गत प्रस्तुत 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का उद्धरण है। 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही की अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का पूरा प्रारूप बीएसई लिमिटेड की वेबसाईट www.bseindia.com पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाईट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाईट www.itiltd.in पर उपलब्ध है।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड

स्थान: बेंगलूरु
दिनांक: 12.08.2024

राजीव श्रीवास्तव
निदेशक वित्त एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी

आईआईटी मद्रास लगातार छठे साल शीर्ष पर, आईआईएससी बेंगलूरु सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क, 2024' (एनआईआरएफ 2024) में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास लगातार छठे साल शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, वहीं भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलूरु को लगातार नौवीं बार सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय चुना गया है। सूची में संपूर्ण श्रेणी में आईआईएससी बेंगलूरु दूसरे स्थान पर और आईआईटी मुंबई तीसरे स्थान पर रहा है, वहीं पिछले साल तीसरे स्थान पर रहा आईआईटी दिल्ली एक स्थान नीचे खिसक गया है। देश के शीर्ष दस संस्थानों में आठ आईआईटी के साथ नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) हैं। विश्वविद्यालय श्रेणी में आईआईएससी बेंगलूरु के बाद जेएनयू और जामिया मिलिया इस्लामिया का स्थान है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की सूची में शीर्ष दस संस्थानों में नौ आईआईटी शामिल हैं, जिनमें आईआईटी मद्रास लगातार नौवें साल इस श्रेणी में शीर्ष पर है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी

एनआईआरएफ 2024

मुंबई ने भी इस श्रेणी में क्रमशः अपना दूसरा और तीसरा स्थान बरकरार रखा है। शीर्ष दस सूची में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली भी शामिल है। प्रबंधन संस्थानों की बात करें तो भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जिसके बाद आईआईएम बेंगलोर और आईआईएम कोझिकोड का स्थान है। दो आईआईटी - मुंबई और दिल्ली - भी प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए शीर्ष दस सूची में शामिल हैं।

फार्मेसी में जामिया हमदर्द पिछले साल के दूसरे स्थान से ऊपर उठकर शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, हैदराबाद दूसरे स्थान पर खिसक गया है। बिट्स पिलानी ने इस श्रेणी में अपना तीसरा स्थान बरकरार रखा है। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज और मिरांडा हाउस ने भी कॉलेज श्रेणी में एक दूसरे का स्थान ले लिया है। अब हिंदू कॉलेज शीर्ष पर है। सेंट स्टीफन्स कॉलेज तीसरे स्थान पर है। विधि संस्थानों में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलूरु शीर्ष पर, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली दूसरे स्थान पर और नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ हैदराबाद तीसरे स्थान पर रहे हैं। मेडिकल कॉलेजों की श्रेणी में एम्स नयी दिल्ली अव्वल रहा है, वहीं पीजीआईएमई चंडीगढ़ तथा सीएमसी वेल्लोर दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे हैं।

अनुसंधान के क्षेत्र में आईआईएससी बेंगलूरु को शीर्ष पर रखा गया है, वहीं आईआईटी मद्रास और आईआईटी दिल्ली क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे हैं। राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों के लिए नई शुरू की गई श्रेणी में, चेन्नई स्थित अन्ना विश्वविद्यालय को शीर्ष स्थान मिला है, इसके बाद कोलकाता स्थित जादवपुर विश्वविद्यालय और पुणे स्थित सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय का स्थान है।

पेड़ गिरने से 4 बच्चों सहित 6 घायल, उपमुख्यमंत्री ने हालचाल जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के जयभारत नगर में सुबह 8:20 बजे पेड़ गिरने के कारण घायल हुए 2 व्यस्कों और 4 बच्चों सहित 6 लोगों की ट्राइलाइफ अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में इलाज चल रहा है।

यह बच्चे स्कूल जा रहे थे दो बच्चे अपने पिता के साथ मोटरसाइकिल पर थे। जबकि दो अन्य अपनी मां के साथ पैदल चल रहे थे। उस समय यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ट्राइलाइफ अस्पताल में जाकर घायलों से बातचीत की।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीबीएमपी अधिकारियों को इन रोगियों के सभी चिकित्सा बिलों को वहन करने निर्देश दिए। उन्होंने बीबीएमपी और पुलिस को यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया कि भविष्ट में ऐसी कोई घटना न हो।

कानोता बांध में पांच युवकों के शव मिले

जयपुर। जयपुर के कानोता बांध में डूबे पांच युवकों के शव रविवार रात को जलाशय से निकाल लिये गये। पुलिस उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि बांध में डूबे सभी पांच युवकों के शव सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिये गये। उन्होंने बताया कि राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और नागरिक सुरक्षा विभाग की टीम ने बचाव अभियान के बाद देर रात पांचों युवकों के शवों को बांध से निकाल लिया।

उल्लेखनीय है कि रविवार को छह युवक कानोता बांध पर पिकनिक मनाने गये थे। इस दौरान नहाने के दौरान एक युवक का पैर पाल पर फिसल गया और वह बांध में गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी बांध के पानी के तेज बहाव में बह गये, लेकिन इनमें से एक सुरक्षित बाहर निकल आया। पुलिस के अनुसार, बांध में डूबे युवकों की पहचान हर्ष नागौरा (20), विनय मीणा (22), विवेक माहोर (22), अजय माहोर (23) और हरकेश मीणा (24) के रूप में की गई है।

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। शर्मा ने इस संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों से प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्य को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली के निर्देश दिए।

शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि मौसम विभाग के आगामी दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए जाएं। प्रदेश के कुछ जिलों में मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के मद्देनजर सवाई माधोपुर, करौली, भरतपुर, दौसा जिलों के जिलाधिकारियों ने सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में सोमवार को अवकाश घोषित किया है।

राज्य में रविवार को जयपुर समेत पांच जिलों अलवर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा में भारी बारिश दर्ज की गई। करौली और हिंडौन में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गये है। राजधानी जयपुर में दिनभर से रुक-रुक कर हो रही बारिश का दौर देर रात तक जारी रहा।

जयपुर सहित राजस्थान के कई जिलों में भारी बारिश, रामगढ़ पचवारा में सर्वाधिक 258 मिलीमीटर वर्षा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित राज्य के कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और बीते 24 घंटे में दौसा के रामगढ़ पचवारा में सर्वाधिक 258 मिलीमीटर बारिश हुई। इस अवधि के दौरान जयपुर में रिकॉर्ड 118 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है और यह दौर अभी जारी है। जयपुर सहित कई जिलों में स्कूलों में आज छुट्टी की घोषणा कर दी गई है।

जयपुर में कल दोपहर बाद से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में सोमवार सुबह लगभग पांच बजे शुरू हुआ तेज बारिश का दौर रुक-रुक कर नौ बजे तक जारी रहा जिससे कई निचले इलाकों में पानी भर गया। भारी बारिश को देखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से जयपुर, भरतपुर, सवाई माधोपुर, करौली और दौसा सहित कई जिलों में सोमवार को स्कूलों की छुट्टी की घोषणा कर दी गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक चौबीस घंटे में जयपुर हवाई अड्डे पर 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि में दौसा के रामगढ़ पचवारा में 258 मिलीमीटर व करौली के सापोटरा में 207 मिलीमीटर बारिश हुई जो 'अत्यधिक भारी बारिश' की श्रेणी में आती है।

इसने बताया कि दौसा जिले में लालसोट व राउवास सहित अनेक जगह 132 से 178 मिलीमीटर, जयपुर में 126 मिलीमीटर, सवाई माधोपुर के खंडार व बोनली में कई जगह 117 से 168 मिलीमीटर बारिश हुई जो 'बहुत भारी बारिश' की श्रेणी मे आती है। राज्य के अनेक जिलों में कई दिन से हो रही बारिश व आगामी कई दिन मानसून सक्रिय रहने की चेतावनी के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हरसंभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए।

राज्य में बारिश जनित हादसों के कारण बीते चौबीस घंटे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा राहत प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करौली और हिंडौन में भारी बारिश के कारण अनेक जगह जलभराव की स्थिति है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कई इलाकों में अगले 3-4 दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश होने की संभावना है।

स्कूलों में छुट्टी

राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है और स्कूलों में आज छुट्टी की घोषणा की गई है। राजधानी जयपुर में बीते चौबीस घंटे में रिकॉर्ड 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है। जयपुर में कल दोपहर बाद से ही रुक रुक कर बारिश हो रही है। कई इलाकों में सोमवार को सुबह लगभग पांच बजे शुरू हुई तेज बारिश रुक रुक कर नौ बजे तक जारी थी। इससे अनेक निचले इलाकों में पानी भर गया। भारी बारिश को देखते हुए शिक्षा विभाग की ओर से राजधानी जयपुर सहित कई जिलों में स्कूलों में सोमवार को अवकाश की घोषणा की गई है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार को सुबह साढ़े आठ बजे तक, बीते चौबीस घंटे के दौरान जयपुर हवाई अड्डे पर 118 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। राज्य के अनेक जिलों में कई दिन से हो रही बारिश व आगामी कई दिन मानसून सक्रिय रहने की चेतावनी के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हरसंभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए। राज्य में बारिश जनित हादसों के कारण बीते चौबीस घंटे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो चुकी है। आपदा राहत प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के अनुसार करौली और हिंडौन में भारी बारिश के कारण अनेक जगह जलभराव की स्थिति है। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कई भागों में आगामी 4-5 दिन मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी व कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।

अतिवृष्टि के कारण लोगों का पलायन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग के हिंडौनसिटी में भारी बारिश से बिगड़ते हालात के बीच लोगों का शहर से पलायन करने का सिलसिला शुरू होने लगा है। सोमवार को एक बार फिर शुरू हुई भारी बारिश से कई स्थानों पर घरों एवं सड़कों पर छह फुट से ज्यादा जलभराव होने से खारी नाले के पास की कॉलोनी और बस्तियां खाली होने लगी हैं। हिंडौन में बाढ़ जैसे हालात के बीच करौली के सांसद भजनलाल जाटव एवं विधायक अनीता जाटव ने हिण्डौन में एसडीएम कार्यालय के बाहर बीच सड़क पर धरना शुरू किया है।

धरने पर बैठे सांसद, विधायक एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के साथ जिला एवं पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद समय पर न तो सरकार चेती और न ही जिला प्रशासन ने हिण्डौन शहर में जल निकासी के उचित प्रबंध किये जिसकी वजह से वर्तमान में हिंडौन की जनता को संकट का सामना करने को मजबूर होना पड़ा है। उन्होंने सरकार से हिंडौन में नाले को तोड़कर सफाई करने की मांग भी की है। बाढ़ जैसे हालातों के बीच पलायन को मजबूर लोग अपने छोटे-छोटे मासूम बच्चे और बुजुर्ग मां-बाप को लेकर बारिश के बीच रिश्तेदारों या परिचितों के घर शरण लेने के लिए पलायन कर रहे हैं। शहर में राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) एवं राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) के दल जगह जगह राहत कार्य में जुटे हैं।

भजनलाल का प्रदेशवासियों से बारिश में अपनी सुरक्षा का ध्यान देने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने प्रदेश में जारी भारी बरसात के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर प्रदेशवासियों से आग्रह किया हैं कि वे इस समय जल भराव क्षेत्र में नहीं जाये और प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए अपनी सुरक्षा का ध्यान रखे। शर्मा ने सोमवार को यहां अपना वीडियो जारी कर यह आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से निरंतर बरसात का दौर चल रहा हैं और कई स्थानों पर वर्षा ने पिछले रिकार्ड भी तोड़ दिए हैं। मैं स्वयं भी स्थिति पर नजर रखे हुए हूं, कुछ स्थानों पर जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति बनी हुई हैं। कई स्थानों पर नदियों एवं बांधों में पानी का तेज बहाव हैं और बांधों में पानी की आवक तेज हो गई हैं। ऐसे में अपनी सुरक्षा का ध्यान रखते हुए नदी, तालाब, पोखर आदि

स्थानों पर नहाने से बचे और निचले स्थानों पर फंसे लोग विशेष रुप से अपना ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि बिजली के पोल एवं तारों से दूरी बनाकर रखे। इस समय भवनों में बने बेंसमेंट का उपयोग करने से भी बचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में पशुओं का भी ध्यान रखना चाहिए और जरुरत होने पर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी बरसात का दौर आगे भी चलने की संभावना हैं, ऐसे में मौसम विभाग की अपील एवं चेतावनी को गंभीरता से लेना चाहिए और सभी जरुरी सावधानियां बरतनी चाहिए।

राज्य सरकार प्रदेशवासियों के साथ हैं और इस समय प्रभावित जिलों में बचाव एव राहत टीमें काम कर रही हैं।

उन्होंने राज्य सरकार की प्रभावित लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए और प्रशासन के निर्देशों का पालन क,रे हम सब आपके सुरक्षा के लिए लगातार तत्पर हैं। उन्होंने निवेदन किया कि बच्चे जल भराव क्षेत्र में नही जाये यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

आपदा राहत मंत्री के बारे में स्थिति करनी चाहिए स्पष्ट : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि प्रदेश में भारी बरसात से उत्पन्न आपदा की स्थिति के मद्देनजर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को राज्य के आपदा राहत मंत्री के बारे में स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। गहलोत ने सोशल मीडिया पर सोमवार को आपदा एवं राहत मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा का नाम लिए बिना यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में भारी बारिश एवं इससे संबंधित दुर्घटनाओं के कारण 25 से अधिक जानें जा चुकी हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी आपदा की स्थिति में राज्य के आपदा राहत मंत्री के बारे में जनता को यह नहीं पता कि वह पद पर हैं या उनका इस्तीफा स्वीकार हो गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में मुख्यमंत्री को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

सशक्त हो रही बेटियां : कृषि संकाय चुनने पर बेटियों को मिल रही 15 से 40 हजार की प्रोत्साहन राशि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि क्षेत्र में बुवाई से लेकर रोपण, सिंचाई और कटाई जैसे कार्यों में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाती हैं। इस क्षेत्र में उनके सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा अभूतपूर्व फैसले किए गए हैं। 'कृषि विषय में अध्ययनरत छात्राओं को देय प्रोत्साहन राशि योजना' भी बालिकाओं की कृषि क्षेत्र में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने की ऐसी ही एक योजना है। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि बालिकाएं कृषि के क्षेत्र की नवीनतम विधाओं का अध्ययन करें और औपचारिक शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिससे न केवल उनके परिवार की आय बढ़ेगी बल्कि वे राज्य और देश की समृद्धि में भी योगदान देंगी। योजना के तहत कृषि संकाय से अध्ययन के लिए 11 वीं कक्षा से लेकर पीएचडी कर रही

छात्राओं को 15 हजार से 40 हजार की राशि प्रतिवर्ष दी जा रही है।

कृषि आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बताया कि योजना के तहत राज्य में कृषि विषय लेकर अध्ययन करने वाली 11वीं एवं 12वीं कक्षा की छात्राओं को प्रतिवर्ष 15 हजार की राशि प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान से स्नातक के विषयों जैसे कि उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण के साथ ही स्नातकोत्तर (एम.एससी.कृषि) में अध्ययन करने वाली छात्राओं को 25 हजार रुपए प्रतिवर्ष दिये जाते हैं। इसी प्रकार कृषि विषय में पीएचडी करने वाली छात्राओं को 40 हजार रुपये प्रतिवर्ष (अधिकतम 3 वर्ष) प्रोत्साहन राशि दिये जाने का प्रावधान किया गया है। कृषि आयुक्त ने बताया की योजना के तहत 21 दिसंबर 2023 से जुलाई 2024 तक अध्ययनरत 19 हजार 662 छात्राओं को 35 करोड़ 62 लाख रुपये का आर्थिक संबल दे कर कृषि संकाय लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। कृषि संकाय में स्नातक की शिक्षा प्राप्त कर रही अनामिका शर्मा, उदयपुर के जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय में बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। वे बताती हैं कि योजना के तहत बीएससी के प्रथम वर्ष में राज्य सरकार द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी गई थी। वे बताती हैं कि उन्हें शुरू से ही कृषि के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने की इच्छा थी। वे चाहती थीं कि वे कृषि के क्षेत्र में उन्नत तकनीकों के बारे में जानें और अपने परिवार की आय बढ़ाने में सहयोग करें। राज्य सरकार का धन्यवाद देते हुए अनामिका कहती हैं कि वे स्वयं तो सक्षम हुई हीं हैं और अब वे पढ़ाई के साथ-साथ किसानों को खेती करने की उन्नत तकनीकों, बीज, उर्वरक जैसी सहायक सामग्रियों के बारे में उचित जानकारी भी देती हैं।

घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू परिवारों को 2 अक्टूबर को मिलेंगे ऑनलाइन पट्टे : मदन दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि घुमंतू एवं अर्द्ध घुमंतू जाति के परिवारों को 2 अक्टूबर को एक साथ ऑनलाइन पट्टे दिये जायेंगे। साथ ही कहा कि विभागीय योजनाओं के लक्ष्यों को त्वरित गति से समय पर पूरा करें।

पंचायती राज मंत्री सोमवार को शिक्षा संकुल के सभागार में पंचायती राज विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। सर्वप्रथम उन्होंने अधिकारियों को हरियालो राजस्थान अभियान को सफल और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन अभियान के बारे में कहा कि भारत में राजस्थान सबसे स्वच्छ राज्य दिखना चाहिए। ठोस व तरल कचरा प्रबंधन पर फोकस करते हुए उन्होंने कहा कि जिनके पास शौचालय नहीं है उनका सर्वे

किया जाए। ग्रामीण परिवारों को चिन्हित करके शौचालय बनाने और उनका उपयोग करने के बारे में जागरुक किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 01 करोड़ 09 लाख शौचालयों का निर्माण किया जा चुका है। साथ ही तरल कचरा प्रबंधन के लिए पॉलिसी बनाकर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

दिलावर ने पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए उपस्थित अधिकारियों को शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि सभी संकल्प लें कि पॉलिथीन का उपयोग नहीं करेंगे और ना ही करने देंगे। पॉलिथीन का उपयोग प्रतिबंधित है। अपने परिवार में भी कड़ाई से पालन करें। प्लास्टिक की पानी की बोतल का भी उपयोग नहीं होना चाहिये। बच्चों को भी स्वच्छता के बारे में जानकारी दी जाए। बच्चे जिद्दी होते है वे अपनी जिद्द से परिवार वालों को समझाएंगे। पंचायती राज मंत्री ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि परंपरागत तरीके से बने हुए कुंड, बावड़ी, तालाब एवं एनीकट जैसी जल संरचनाओं की सफाई, जीर्णोद्धार, मरम्मत व गहराई के लिए मिट्टी निकालने का कार्य जनसहभागिता से करवाया जाए। तालाबों के केचमेंट एरिया खाली करवायें और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण करवाया जाए।

दिलावर ने स्वामित्व योजना को व्यवहारिक बनाने, सभी के साथ समानता का व्यवहार करने के बारे में निर्देश दिए।

गैर संक्रामक रोगों से संबंधित कार्यक्रमों को और मजबूत बनाएंगे : गजेन्द्र

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में डायबिटीज, कैंसर और हृदय रोग काफी तेजी से बढ़े हैं। यह हमारे लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा विभाग गैर संक्रामक रोगों के उपचार, रोकथाम एवं आमजन में जागरूकता के लिए प्रतिबद्धता के साथ आवश्यक कदम उठा रहा है। प्रदेश में गैर संक्रामक बीमारियों से संबंधित कार्यक्रमों को और मजबूत बनाया जाएगा। चिकित्सा मंत्री सोमवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन तथा क्लिंटन फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में टाइप-1 डायबिटीज से बचाव के लिए प्रारंभ किए गए कार्यक्रम ''मिशन मधुहारी'' पर आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। वर्तमान में दैनिक जीवन के अनुशासन में लापरवाही के कारण लोग कई गंभीर रोगों को शिकार हो रहे हैं।

पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को श्रावण मास के चतुर्थ सोमवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर स्थित शिव मंदिर में भगवान शिव की विधिवत पूजा अर्चना कर सभी प्रदेशवासियों के ख़ुशहाली की कामना की।

हर गांव में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था यथाशीघ्र की जाए : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जल जीवन मिशन से संबंधित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश के सभी गांवों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था यथाशीघ्र की जाए। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के साथ ही उसके संचालन और रखरखाव को लेकर भी समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। जल जीवन मिशन में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के कार्य में प्लंबर की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने इनके समुचित प्रशिक्षण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जल जीवन मिशन में उपयोग की जा रही सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो। उन्होंने कहा कि पाइप, नल आदि की गुणवत्ता सबसे अच्छी हो और टोंटी चोरी होने या इसके खराब होने पर तत्काल नई टोंटी की व्यवस्था कराई जाए।

अधिकारियों ने इस दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में दो करोड़ 63 लाख से अधिक घरों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की जा रही है, जिसपर एक लाख 60 हजार करोड़ रुपए की लागत आ रही है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रतिवर्ष इसके संचालन और रखरखाव पर करीब साढ़े चार हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए शुद्ध पेयजल अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण जनता को शुद्ध पेयजल मिलने से उन्हें विभिन्न बीमारियों से निजात मिलेगी, जिससे गांव के लोग स्वस्थ रहेंगे।

आदित्यनाथ ने कहा कि जल जीवन मिशन के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मदद से ग्रामीणों को जागरूक करना होगा और इसके लिए ग्राम प्रधान के साथ मिलकर कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल के लिए ग्रामीणों तक इस बात को पहुंचाया जाना चाहिए कि यह उनके मोबाइल के मासिक खर्च से भी कम में उन्हें उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने इस बात के लिए विशेष तौर पर निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क को समय पर ठीक कराएं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गांवों को स्वस्थ और आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिया।

बिहार के सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में भगदड़, सात श्रद्धालुओं की मौत, 16 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जहानाबाद/पटना/भाषा। बिहार के जहानाबाद जिले के बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में रविवार देर रात भगदड़ मचने से कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। जिलाधिकारी अलंकृता पांडे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जहानाबाद के बराबर पहाड़ी इलाके में स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में रविवार देर रात करीब 11.30 बजे मची भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर कांवड़िए शामिल हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में मची भगदड़ में सात लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने घटना को बेहद दुखद और पीड़ादायक करार देते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, नीतीश ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। उन्होंने इस हादसे में घायल श्रद्धालुओं का समुचित इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जहानाबाद की जिलाधिकारी ने कहा, मंदिर में तैनात सुरक्षाकर्मी दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। सभी घायलों को मखदूमपुर और आसपास के इलाकों के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद दस घायलों को घर भेज दिया गया, जबकि सात अभी भी भर्ती हैं। उन्होंने बताया कि श्रावण मास के सोमवार को मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने के मद्देनजर वहां जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तैनात थे। पांडे ने कहा, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि कांवड़ियों में किसी चीज को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद उनके बीच कहासुनी और हाथापाई हुई, जिससे मंदिर में भगदड़ मच गई। हालांकि, कुछ स्थानीय लोगों का कहना था कि कांवड़ियों के एक समूह और मंदिर के बाहर फूल विक्रेताओं के बीच तीखी बहस के कारण भगदड़ मची।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर केंद्र उचित कदम उठाए : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सोमवार को बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदायों पर हमलों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि इस मामले में केन्द्र सरकार गंभीरता से उचित कदम उठाये।

बसपा प्रमुख ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में कहा, ''बांग्लादेश में रह रहे हिन्दू समाज व अन्य अल्पसंख्यकों (चाहे वे किसी भी जाति या वर्ग के हों) के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से हो रही हिंसा अति-दुखद एवं चिंतनीय है।'' केन्द्र सरकार को सुझाव देते हुए मायावती ने इसी पोस्ट में कहा, ''इस मामले को केन्द्र सरकार गंभीरता से ले व उचित कदम उठाये, वरना कहीं इनका ज्यादा नुकसान ना हो जाये।''

हिंडनबर्ग रिपोर्ट: विपक्ष ने जेपीसी की मांग उठाई, भाजपा ने मांग को ढकोसला बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर सोमवार को उनके इस्तीफे की मांग की और कहा कि अदाणी समूह से जुड़े मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच होनी चाहिए।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जेपीसी से जांच कराने की मांग को खारिज करते हुए कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और देश में निवेश को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा रहा ढकोसला है। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा था कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों

की विधिवत जांच की है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में अदाणी मामले की जांच के लिए जेपीसी की मांग उठाने के साथ ही उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि वह सेबी प्रमुख से जुड़े खुलासे के बाद मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) को सौंपे।

रमेश ने अदाणी मामले में सेबी के समझौता करने की आशंका जताई और फिर से यह मांग दोहराई कि एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन होना चाहिए ताकि वह ''मोदानी महा घोटाले'' की पूरी जांच कर सके क्योंकि यह मामला एक ''नॉन-बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री'' और एक ''नॉन-बायोलॉजिकल कारोबारी'' से जुड़ा हुआ है। जयराम रमेश ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सेबी ने अति सक्रियता दिखाने कोशिश की है और उसका कहना है कि उसने 100 समन, 1100 पत्र और ईमेल जारी किए हैं और 12,000 पृष्ठों वाले 300 दस्तावेजों की जांच की है।

रमेश ने दावा किया कि यह बहुत थका देने वाला रहा होगा, लेकिन यह मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने वाली बात है क्योंकि कार्रवाई महत्वपूर्ण है, गतिविधियां नहीं।

उनके मुताबिक, ''14 फरवरी, 2023 को, मैंने सेबी अध्यक्ष को पत्र लिखकर सेबी से उन करोड़ों भारतीय नागरिकों की ओर से भारत के वित्तीय बाजारों के प्रबंधक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का आग्रह किया था, जिनका भारत के वित्तीय बाजारों की निष्पक्षता में विश्वास है। मुझे कभी कोई जवाब नहीं मिला।'' उन्होंने बताया कि तीन मार्च, 2023 को उच्चतम न्यायालय ने सेबी को दो महीने के भीतर अदाणी समूह के खिलाफ स्टॉक हेरफेर और अकाउंटिंग धोखाधड़ी के आरोपों की ''तेजी से जांच पूरी करने'' का निर्देश दिया था।

रमेश का कहना था कि इस आदेश के 18 महीने बाद सेबी ने खुलासा किया है कि अदाणी ने न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता से संबंधित नियम 19ए का उल्लंघन किया है या नहीं, इस संबंध में महत्वपूर्ण जांच अधूरी है।

असम : मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने मारी टक्कर, छह लोगों की मौत

कोकराझार/भाषा। असम के कोकराझार जिले में सोमवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने पहले श्रद्धालुओं और फिर दो कारों को टक्कर मार दी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार ट्रक ने एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) से टकराने के बाद कचुगांव में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर महामाया मंदिर के पास श्रद्धालुओं को टक्कर मार दी, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया और उसने बिश्मुरी में एक अन्य कार को टक्कर मार दी, जिससे वाहन में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, बाद में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के बुजुर्गों के साथ 'विश्वासघात' के खिलाफ अभियान चलाएगी बीजद : पटनायक

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी वृद्धावस्था पेंशन योजना के संबंध में कथित विश्वासघात को उजागर करने के लिए 16 अगस्त से ओडिशा की भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ जागरूकता अभियान शुरू करेगी। पटनायक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बीजद 16 अगस्त से राज्यव्यापी जागरूकता अभियान शुरू करेगा। यह अभियान राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा। बीजद बुजुर्गों के अधिकारों के लिए लड़ेगी। सभी पार्टी कार्यकर्ता और जागरूक नागरिक अभियान में शामिल होंगे और लोगों को भाजपा के विश्वासघात के बारे में जागरूक करेंगे। पटनायक ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वह अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिसमें उसने बुजुर्गों, दिव्यांगों, विधवाओं और निराश्रितों के लिए 3,000 से 3,500 रुपए तक का सामाजिक सुरक्षा भत्ता देने का वादा किया था। इसके बजाय बजट में केवल 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों या 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले लोगों को ही बढ़े हुए भत्ते दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पर 45,000 करोड़ रुपए का कर्ज होने के बावजूद उसने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं, जिससे व्यापक असंतोष फैल रहा है। पटनायक ने जोर दिया कि बीजद ओडिशा के लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए भाजपा पर दबाव बनाने के वास्ते अपना अभियान जारी रखेगी।

सेवानिवृत्त इंजीनियर के यहां छापेमारी में मिले 10 फ्लैट, 1.5 किलो सोना, करोड़ों रू नकद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के सतर्कता विभाग ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग के एक सेवानिवृत्त इंजीनियर तारा प्रसाद मिश्रा के परिसरों पर छापेमारी कर 1.5 किलो सोना, 2.70 करोड़ रू की नकदी, महंगी कारें और 10 आलीशन फ्लैट समेत करोड़ों रुपए की संपत्ति का खुलासा किया।

अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सतर्कता टीम ने 12 पुलिस उपाधीक्षक, 12 निरीक्षक, 16 सहायक उप-निरीक्षक और अन्य कर्मचारी के साथ भुवनेश्वर, कटक और झारसुगुड़ा में नौ स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। छापेमारी में प्रमुख स्थानों पर 10 फ्लैट, सात भूखंड, 2.7 करोड़ रुपए से अधिक की बैंक में जमा राशि, 1.5 किलोग्राम सोना और छह लाख रू की नकदी बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों को 13 लाख रुपए कीमत की रोलेक्स समेत विभिन्न ब्रांड की महंगी घड़ियां, महंगी कार (मर्सिडीज बेंज और कीया सेल्टोस) और इंजीनियर की बेटी की मेडिकल शिक्षा पर खर्च किए गए 80 लाख रुपयों का रिकॉर्ड भी मिला। जांच में अमेरिका, थाईलैंड, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, कनाडा, मैक्सिको, मलेशिया और सिंगापुर की विदेशी मुद्रा भी बरामद की गईं।

देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बांग्लादेश का नाम लिए बिना कहा कि देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास सिखाता है कि जो सरकार किसी और देश के राजनीतिक हालात का इस्तेमाल अपने सियासी मंसूबों को पूरा करने के लिए करती है, वह देश को आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर कमजोर करती है।

अखिलेश ने पोस्ट किया, ''विश्व इतिहास गवाह है कि कई देशों में विभिन्न कारणों से, सही या गलत, उस समय के हालातों के अनुसार, हिंसक जन क्रांतियां, सैन्य तख्तापलट, सत्ता-विरोधी आंदोलन होते रहे हैं।'' ऐसे उथल-पुथल भरे समय में केवल उसी देश का पुनरुत्थान हुआ है, जिसने किसी के खिलाफ किसी भी आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया। सपा प्रमुख ने कहा, देश और देशवासियों की रक्षा करना हर देश का कर्तव्य होता है। सकारात्मक मानवीय सोच के आधार पर, एक व्यक्ति के रूप में हर निवासी-पड़ोसी की रक्षा करना भी हर सभ्य समाज का मानवीय-दायित्व होता है, फिर वह चाहे किसी काल-स्थान-परिस्थिति में कहीं पर भी हो। कई बार किसी देश के आंतरिक मामलों से प्रभावित होने वाले किसी अन्य देश का एकल स्तर पर हस्तक्षेप करना वैश्विक राजनयिक मानकों के लिहाज से उचित नहीं माना जाता है, लेकिन ऐसे में उस प्रभावित देश को अपने लोगों की रक्षा के लिए अपनी मूक विदेश नीति को सक्रिय करते हुए, विश्व बिरादरी के साथ मिलकर साहसपूर्ण सकारात्मक मुखर पहल करनी चाहिए, जिससे सार्थक समाधान निकल सके।

मौलवी ने सात साल की बच्ची से बलात्कार का प्रयास किया, गिरफ्तार

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर पुलिस आयुक्तालय के ग्वालटोली थाना पुलिस ने एक स्वयंभू मौलवी को कथित तौर पर सात वर्षीय बच्ची से बलात्कार करने के प्रयास के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार की है जब ग्वालटोली में कथित तौर पर 70 वर्षीय एक स्वयंभू मुस्लिम मौलवी ने सात वर्षीय नाबालिग बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर उसे अपने घर ले गया और उससे बलात्कार का प्रयास किया। एक जागरूक व्यक्ति ने इसको कैमरे में कैद कर लिया और पड़ोसियों को बुलाकर बच्ची को बचाया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मौलाना मुख्तार उर्फ मौलाना चाचा के रूप में हुई है, जो खुद को मौलवी बताता है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) दिनेश त्रिपाठी ने पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपने इलाके में रहने वाली नाबालिग बच्ची को चॉकलेट-टॉफी का लालच देकर उसे अपने घर ले गया, जहां उसने बलात्कार का प्रयास किया।

हमारे निशानेबाज अधिक पदक जीत सकते थे लेकिन उन्हें अपने अभियान पर गर्व होना चाहिए : बिंद्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा का मानना है कि पेरिस खेलों में भारत के और अधिक निशानेबाजों के पास अपने 'प्रदर्शन को पदक' में बदलने का मौका था लेकिन कुल मिलाकर यह एक ऐसा अभियान था जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए। भारत ने निशानेबाजी में तीन सहित कुल मिलाकर छह पदक जीते।

इस दौरान मनु भाकर आजादी के बाद ओलंपिक के एक ही सत्र में दो पदक जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बनी। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद मनु ने सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित निशानेबाजी में भी कांस्य पदक जीता। भारत को एक और कांस्य स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में दिलाया।

बिंद्रा ने 'जियो सिनेमा' से कहा, ''कुछ निशानेबाज चूक गए लेकिन हर किसी ने अच्छी टक्कर दी।'' उन्होंने कहा, '' अच्छा परिणाम जरूरी है लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण यह देखने के बारे में है कि आपने एक देश के तौर पर प्रदर्शन के मामले में कितना सुधार किया है। आप इस तरह देखें तो हमने पहले से बेहतर प्रदर्शन किया है। हम कुछ और प्रदर्शनों को पदकों बदलते देखना चाहते हैं, लेकिन हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है।'' बीजिंग ओलंपिक (2008) के स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कोच जसपाल राणा के साथ मनमुटाव खत्म करने और सफलता के लिए मिलकर काम करने पर मनु की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, '' वह (राणा) ज्ञान का भंडार है, खिलाड़ियों से कड़ी मेहनत करवाने वाले कोच है और यह अच्छी बात है। मेरे पास ऐसे कोच थे जो मुझे नापसंद थे लेकिन मैं उनको चाहता भी था। मैंने उनके साथ काम करने का एक तरीका ढूंढ लिया था।'' उन्होंने कहा, '' मैं मनु को श्रेय देता हूं कि उन्होंने कुछ वर्षों के कठिन समय के बाद जसपाल के साथ समझौता कर लिया। यह एक कोच-एथलीट रिश्ते में सामान्य है। एथलीट संवेदनशील लोग होते हैं और जब हम दबाव में होते हैं तो संवेदनशीलता बढ़ जाती है।''

'रोहित आराम से 2 साल जबकि विराट 5 साल तक खेल सकते है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर खिलाड़ी हरभजन सिंह का मानना है कि विराट कोहली अपनी बेहतरीन फिटनेस के साथ अगले पांच साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के व्यस्त कैलेंडर से आसानी से तालमेल बैठा सकते हैं जबकि टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान रोहित शर्मा भी आराम से अगले दो साल तक खेल सकते हैं।

हरभजन ने 'पीटीआई-वीडियो को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, ''रोहित आसानी से दो साल और खेल सकते हैं। आप विराट कोहली की फिटनेस की तुलना किसी और से नहीं कर सकते हैं। आप उन्हें आसानी से पांच साल तक खेलते हुए देख सकते हैं। वह शायद टीम में सबसे फिट खिलाड़ी हैं।'' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 700 से अधिक विकेट लेने वाले इस पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, '' आप किसी भी 19 साल के युवा को फिटनेस के मामले में विराट को टक्कर देने के लिए कह सकते हैं और विराट उसे हरा देंगे। वह इतने फिट है। मेरा मानना है कि विराट और रोहित में अभी काफी क्रिकेट बाकी है और यह पूरी तरह उन पर निर्भर है कि वे कब तक खेलना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा, '' ये दोनों अगर फिट रहे और अपने प्रदर्शन से टीम की जीत में योगदान देते रहे तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए।''

हरभजन का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक ऐसा प्रारूप है जहां टीम को इन दोनों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, '' लाल गेंद प्रारूप में आपको वास्तव में इन दोनों खिलाड़ियों की ज़रूरत है। आपको सभी प्रारूपों में अनुभव की आवश्यकता है चाहे वह सीमित ओवरों का क्रिकेट हो या टेस्ट क्रिकेट। आपको आने वाली प्रतिभा को निखारने के लिए अनुभवी क्रिकेटरों की जरूरत है।'' हरभजन ने साथ ही यह भी कहा कि अगर कोई खिलाड़ी लगातार प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो उसे टीम से बाहर करना चाहिये। उन्होंने कहा,

'' चयनकर्ताओं को यह देखने की जरूरत है कि कौन सा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। उसे टीम से बाहर किया जाना चाहिए, चाहे वह सीनियर हो या जूनियर।'' हरभजन का मानना है कि युवाओं में सीनियर खिलाड़ियों की तुलना में कहीं अधिक भूख है क्योंकि उन्हें खुद को स्थापित करना है। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा मानता हूं कि युवाओं में सीनियर खिलाड़ियों की तुलना में कहीं अधिक जोश और जज्बा होता है। अगर आप 15 साल तक खेलते हैं तो आपकी भूख थोड़ी कम हो जाती है। रियान पराग को मौके मिल रहे हैं और जिस तरह से यशस्वी और शुभमन गिल खेल रहे हैं, यह देखकर बहुत अच्छा लगा।'' हरभजन ने इस मौके पर श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय शृंखला में मिली 0-2 की हार को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा, '' आप कुछ मैच जीतते है तो कुछ हारते भी है। यह खेल है, हर टीम को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। मैं इसमें श्रीलंका को श्रेय देना चाहूंगा वे भारत से अच्छा खेले।''

सुभासपा ने बदला चुनाव चिह्न, ओमप्रकाश राजभर फिर चुने गए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) का एक बार फिर अध्यक्ष चुना गया है, लेकिन सुभासपा ने अपना चुनाव चिह्न बदल दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल सुभासपा की सोमवार को यहां आयोजित राष्ट्रीय बैठक में 'छड़ी' के बजाय 'चाबी' को पार्टी का चुनाव चिह्न बनाने का निर्णय लिया गया।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने बताया कि बैठक में ओमप्रकाश राजभर को एक बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया और डॉक्टर अरविंद राजभर को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव तथा कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं 25 ज़िला इकाइयों के अध्यक्षों तथा विभिन्न मोर्चों व प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की घोषणा भी की गई।

राजभर ने बताया कि राम ललित चौधरी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सालिक यादव को राष्ट्रीय संगठन मंत्री तथा प्रेमचंद कश्यप को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने बताया कि बैठक में 'छड़ी' के बजाय 'चाबी' को पार्टी के चुनाव निशान के तौर पर अपनाये जाने की घोषणा की गई।

पार्टी अब निर्वाचन आयोग से इस चुनाव निशान की मांग करेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने इस अवसर पर कहा कि सुभासपा गरीबों, वंचितों, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और पीड़ितों की पार्टी है इसलिए सुभासपा के समर्थक पूरे तन-मन-धन से सहयोग कर पार्टी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं।

सुविचार

जिंदगी में उस शख्स को हराना बहुत मुश्किल है जो कभी हार नहीं मानता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हर घर तक पहुंचे सौर क्रांति

'प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' को हर घर तक तेजी से पहुंचाने की जरूरत है। आम लोगों को सोशल मीडिया के जरिए यह तो जानकारी मिल गई है कि सूर्य की किरणों में ऐसी शक्ति है, जो बिजली बना सकती है, लेकिन आज भी गांव-ढाणियों में लोगों को सौर पैनल स्थापित करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लोगों को पर्याप्त जानकारी उपलब्ध कराने और घर-घर तक सौर ऊर्जा पहुंचाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 30,000 युवाओं को 'सूर्य मित्र' के तौर पर प्रशिक्षित करने का फैसला इस दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे एक ओर जहां युवाओं के लिए रोजगार के कई रास्ते खुलेंगे, वहीं लोगों तक सही जानकारी भी पहुंचेगी और छत पर सौर पैनल लगवाने में आसानी होगी। जब ये युवा प्रशिक्षण लेकर मैदान में उतरेंगे तो उत्तर प्रदेश के पास बहुत सक्षम कार्यबल होगा। कालांतर में इसके अनुभवों का लाभ लेते हुए अन्य राज्यों के युवाओं को भी प्रशिक्षित किया जा सकता है। भारत में साल के ज्यादातर दिनों में अच्छी-खासी धूप होती है। सूर्य देवता हम पर इतनी कृपा बरसा रहे हैं तो हमारा कर्तव्य है कि इसका विवेकपूर्वक उपयोग करें। देश में कई-कई बीघा जमीन ऐसी है, जहां या तो खेती नहीं होती या एक ही फसल होती है। वहीं, ज्यादातर घरों की छतें भी या तो खाली पड़ी होती हैं या उन पर ऐसा सामान रखा होता है, जो रोजाना काम में नहीं आता। इस खाली जगह का सदुपयोग सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। दुनिया में कई देश ऐसे हैं, जिनका क्षेत्रफल कम है, लेकिन सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में उनकी प्रगति उल्लेखनीय है।

जापान, जिसे उगते सूर्य का देश कहा जाता है, ने इस क्षेत्र में पिछले एक दशक में बहुत प्रगति की है। जर्मनी, स्पेन, दक्षिण कोरिया जैसे देशों की प्रगति भी मिसाल बन चुकी है। चीन ने सबको चौंकाया है। विभिन्न रिपोर्टें बताती हैं कि वह अमेरिका से भी बाज़ी ले गया। भारत में राजस्थान, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और तमिलनाडु में बनाए गए बड़े सोलर पार्क देश की ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि अभी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है। बड़े सोलर पार्क स्थापित करने के लिए भारी निवेश करना होता है, वहीं उसके रखरखाव के लिए भी कार्यबल तैनात करना पड़ता है। अगर हर घर की छत पर सौर पैनल लगाया जाए तो उपभोक्ता को उसके खर्च पर सब्सिडी जरूर देनी होती है, लेकिन रखरखाव काफी आसान हो जाता है। उपभोक्ता को जितनी यूनिट बिजली की जरूरत होगी, वह इस्तेमाल करेगा, बाकी विद्युत वितरण कंपनी को दे देगा। इससे देश के ज्यादातर घरों का बिजली बिल बहुत कम या शून्य हो सकता है। याद करें, एक दशक पहले देश के कई इलाकों में बिजली कटौती के विरोध में खूब धरने-प्रदर्शन होते थे। आज स्थिति बहुत बेहतर हो गई है। भविष्य में बिजली कटौती जैसी बातें इतिहास की किताबों में ही पढ़ने को मिलेंगी। हर परिवार अपने लिए खुद बिजली उत्पादनकर्ता बन जाएगा। सरकार को चाहिए कि वह पहले हर घर तक सौर पैनल पहुंचाए। उसके बाद रसोईघर को भी सौर चूल्हे से जोड़े। बेशक सरकार ने दूर-दराज के उन घरों तक गैस सिलेंडर पहुंचा दिए, जहां पहले लकड़ी के चूल्हे जलाए जाते थे। अब देश को एक बड़ी रसोई क्रांति की जरूरत है। गैस सिलेंडर और चूल्हे की जगह सौर चूल्हा अधिक सुरक्षित है। यह पर्यावरण के अधिक अनुकूल है। इससे विदेशी मुद्रा भंडार की बचत भी होगी। इसके लिए अभी से जनता को जागरूक करना शुरू कर देंगे तो भविष्य में काफी आसानी होगी।

ट्वीटर टॉक

आज केकड़ी जिले में जारी विकास कार्यों, बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन और भारी वर्षा के बाद जलभराव के निस्तारण सहित कई अन्य विषयों पर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर चर्चा की। इस दौरान समस्याओं के निस्तारण हेतु उचित दिशा-निर्देश भी दिये।

-दीया कुमारी

युवा किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अनमोल संपत्ति होते हैं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी में देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को उत्प्रेरित करने की असीम क्षमता है। आज विश्व युवा दिवस पर देश और दुनिया की नौजवान शक्ति को अनंत-अपार शुभकामनाएं।

-ओम बिरला

नरेंद्र मोदी की गलत नीतियों ने महंगाई और बेरोजगारी बढ़ाकर जनता की कमर तोड़ दी है। आज आटा, दाल, चावल, तेल, सब्जी जैसे जरूरी सामानों के दाम आसमान छू रहे हैं। आम आदमी न घर चला पा रहा है, न भविष्य के लिए कुछ बचा पा रहा है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता और श्रद्धा

धर्मराज युधिष्ठिर अपने भाइयों से अक्सर कहा करते थे कि अपने को बड़ा मानने के भ्रम और अहंकार के कारण मानव का पतन अवश्य होता है। एक बार धर्मराज युधिष्ठिर अपने भाइयों के साथ वन जा रहे थे। वन में उन्हें जहां कहीं मुनियों का आश्रम दिखाई देता, ये सिर झुकाकर प्रणाम करते। वन में चलते-चलते उन्हें देवी का मंदिर दिखाई दिया। उन्होंने रुककर देवी की स्तुति की। झुककर सिर नवाया। भीम के मन में उस दिन न जाने कैसे दूषित भाव उत्पन्न हो गए। भीम ने कहा, 'तुम एक स्त्री की पूजा क्यों करते हो?' धर्मराज ने कहा, 'देवी महामाया हैं, आदिशक्ति हैं। देवी की कृपा के बिना कभी किसी का उद्धार नहीं हो सकता।' भीम चुप हो गए। कुछ दूर आगे बढ़े थे कि उन्हें चक्कर आने लगा। भीम ने कहा, 'मेरी आंखों के आगे अंधकार छा गया है। कुछ दिखाई नहीं दे रहा।' युधिष्ठिर ने कहा, 'देवी की प्रार्थना करो, तभी तुम ठीक हो सकते हो।' अचानक देवी प्रकट हो गईं। वे बोलीं, 'मैं इस कारण आई हूं कि तुम सब जिन श्रीकृष्ण के भक्त हो, मैं भी उनकी आराधना करती हूं। धर्मात्मा व्यक्ति के मन में प्रत्येक स्त्री के प्रति श्रद्धा भावना रहनी चाहिए।

सामयिक

हैवानियत की पराकाष्ठा है महिला डाक्टर की हत्या!

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज हास्पिटल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी क्रूरता पाशविकता की जो खूनी वारदात सामने आयी है, उसने एक बार फिर से पूरे देश को झकझोर कर रख दिया हैऔर बता दिया है कि हम कितने कड़े कानून बनाने और महिला सुरक्षा के दावे पेश करे लेकिन सब ढोंग है बेमानी है महिला चाहे खेत खलिहान में हो चाहे सरकारी अस्पताल में वह सब जगह असुरक्षित है खूनी और काम पिपासु इंसान की खाल में छिपे जानवर हर जगह मौजूद हैं और मौका मिलते ही अपनी हवस का शिकार बना देते हैं और इस के लिए हत्या तक कर देते हैं।

डाक्टर बनने के लिए एक छात्र छात्रा को अपने किशोर से युवावस्था के करीब दस साल खर्च करने होते हैं इस दौरान उसे नीट परीक्षा पास करने से लेकर एमबीबीएस की साढ़े पांच साल की कठिन व विस्तृत पढ़ाई कर परीक्षा पास करना होता है बहुत सारे अभ्यर्थी उच्च अंक के बावजूद सरकारी कालिजो में कम सीट होने के कारण एडमिशन से वंचित रह जाते हैं सामर्थ्यवान परिवार साठ लाख से डेड़ करोड़ रुपये खर्च कर अपने बच्चों को डाक्टरी की शिक्षा दिलाते हैं। इस सब से आप समझ सकते हैं कि एक डाक्टर कितना मेहनत और जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष खपा कर फील्ड में उतरता है। बेशक कुछ प्राइवेट अस्पतालों की पैसा कमाने की अनाप शनाप तौर तरीकों के कारण डाक्टरों के पवित्र पेशे पर कुछ लोगों का भरोसा डिगा है लेकिन हकीकत में डाक्टर अस्वस्थ लोगों को स्वास्थ्य देने के लिए अपने जीवन को समर्पण करता है। उसके जीवन का तमाम कार्य समय लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए ही होता है। इसीलिए आज भी डाक्टर को धरती का भगवान कहा जाता है लेकिन यदि ऐसे ही किसी युवा तीस साल की युवा डाक्टर को एक सरकारी हास्पिटल के सेमीनार हाल में दरिंदगी के बाद बर्बरता से कत्ल कर दिया जाए तो यह न सिर्फ मानवता के साथ क्रूरतम अपराध है वरन समूची व्यवस्था और कानून के शासन पर भी तमाचा है आखिर आजादी के पिछततर साल बाद भी हम देश में कैसी व्यवस्था और सुरक्षा दे रहे हैं जिसमें एक सरकारी अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात महिला डाक्टर तक सुरक्षित नहीं है। महिला सुरक्षा के सारे नारे बेमानी हो जाते हैं।

निसंदेह कोलकाता की इस अमानवीय वारदात से पूरा देश मर्माहत और दुःखी है। यही कारण है कि न सिर्फ बंगाल, बल्कि पूरे देश में एक बार फिर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। एक विकृत मानसिकता वाले अपराधी ने जिस प्रकार से मेडिकल कॉलेज के भीतर निर्मम और वीभत्स तरीके से महिला के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या को अंजाम दिया है, उससे यह बात साफ हो जाती है कि महिलाएं न तो घर में सुरक्षित हैं और न ही बाहर। एक विकृत मानसिकता का व्यक्ति कब किसी बेटी या महिला को अपना शिकार बनाए, कहा नहीं जा सकता है। इससे यह भी बात साफ हो जाती है कि पढ़ाई-लिखाई का स्तर ऊंचा उठने, खानपान, फैशन, रहन-सहन आदि मामलों में आधुनिकता बोध पैदा होने के बावजूद महिलाओं को लेकर समाज में कुछ विकृत मानसिकता वाले व्यक्तियों की सोच में कोई परिवर्तन नहीं आया है और आज भी ये महिलाओं को सिर्फ गलत नजरिए से ही देखते हैं। इसी का नतीजा है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध कम होने के बजाए और बढ़ते जा रहे हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का एक प्रसिद्ध मेडिकल कॉलेज हैं और इस कॉलेज के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को पोस्ट- ग्रेजुएट ट्रेनी महिला डॉक्टर का अर्धनग्न शव मिला था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि उसकी रेप के बाद हत्या की गई है।

मगर पोस्टमार्टम की जो रिपोर्ट आयी है, वह भी काफी दिल दहलाने वाली हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि उसकी दोनों आंखों और मुंह से खून बह रहा था, चेहरे और नाखून पर चोट के निशान थे। पीड़िता के शरीर से भी खून बह रहा था और उसके पेट, बाएं पैर, गर्दन, दाएं हाथ, अनामिका और होंठों पर भी चोट के निशान थे। साफ है कि आरोपी ने डॉक्टर महिला के साथ हैवानियत की सारे हदें पार कर दी है। मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। जूनियर डॉक्टर गुरुवार को अस्पताल में रात की ड्यूटी कर रही थीं। रात 12 बजे के बाद दोस्तों के साथ डिनर भी किया था। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। हालांकि इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बलात्कार और हत्या के आरोप में गिरफ्तार संजय रॉय नाम के विरुद्ध पुलिस को काफी ठोस सबूत मिले हैं। पुलिस का मानना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की गतिविधियां काफी संदिग्ध हैं और ऐसा लगता है कि वह सीधे तौर पर अपराध में शामिल है। हालांकि आरोपी के गिरफ्तार होने के बावजूद राज्य में जूनियर डॉक्टरों के साथ नर्सों और अन्य छात्र संगठनों के द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। पश्चिमी बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस हत्याकांड के मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है, इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि जरूरत पड़ने पर दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की जायेगी। उन्होंने महिला जूनियर डॉक्टर हत्याकांड को ममता बनर्जी ने दुर्भाग्यपूर्ण और घृणित बताई है।

बहुत जरूरी है कि इस वारदात की गहन जांच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और ऐसी सजा मिलनी चाहिए जो मिसाल बने। महिलाओं के खिलाफ अपराध को रोकने का यदि कड़े कानून उपाय होता तो निर्भया कांड के बाद कड़ी सजा का संशोधन करने के बाद इन वारदातों पर नियंत्रण मिल जाता लेकिन ऐसा नहीं हो सका जाहिर है कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान का भाव पैदा करना होगा बहन और बेटी की भावना कायम करने की जरूरत है। इस के साथ ही महिलाओं के साथ अपराध पर जीरो टालरेंस नीति अपनानी होगी तभी महिलाओं के खिलाफ होने वाली यौन हिंसा को नियंत्रित किया जा सकता है। महिलाओं के प्रति सोच में बदलाव महिलाओं को सम्मान देना चाहिए ताकि कोई अन्य बेटी बहन इस पाशविकता का शिकार न बने।

मंथन

राष्ट्रीय चेतना में ज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैं। संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया है। वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप है। यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया है। जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगी। मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा, भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा है। शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती है। शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है।

शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैं। शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी जा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद, पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया है। वस्तुतः पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है। पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया है। यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया है। शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन, बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है। राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफ अग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय है। भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ़ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं।

दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें, क्योंकि ज्ञान भाषा एवं संस्कृति हमें सदैव समृद्ध विकासशील एवं परिवर्तनशील बनाती है और परिवर्तनशील जीवन ही एक नई ऊर्जा, आशा और विकास को जन्म देती है।

नजरिया

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा। लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था। भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

खाद्य श्रृंखलाओं से बढ़ रहा है चूहे का जहर, दुनिया भर के मांसाहारियों को खतरा

क्लेम्सन। चूहे इंसानों के आसपास अच्छे कारणों से पनपते हैं: वे फसलों और कचरे को खाते हैं और खेतों से लेकर दुनिया के सबसे बड़े शहरों तक कई स्थितियों में आसानी से ढल जाते हैं। इन्हें नियंत्रित करने के लिए लोग अक्सर जहर का सहारा लेते हैं। लेकिन चूहों को मारने वाले रसायन अन्य जानवरों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले जहर को थक्कारोधी कृंतकनाशक कहा जाता है। वे उन्हें खाने वाले जानवरों में रक्त के थक्के बनने में हस्तक्षेप करके उनकी जान लेने का काम करते हैं। इस स्वादिष्ट चारे को इमारतों के बाहर, छोटे काले बक्सों में रखा जाता है, जिनमें केवल चूहे ही प्रवेश कर सकते हैं। लेकिन जहर कृंतकों के शरीर में बना रहता है, जिससे उनका शिकार करने वाले बड़े जानवरों को खतरा होता है।

मेरे सहयोगियों और मैंने हाल ही में दुनिया भर के अध्ययनों की समीक्षा की, जिसमें जंगली स्तनपायी मांसाहारियों के थक्कारोधी कृंतकनाशकों के संपर्क का दस्तावेजीकरण करने की मांग की गई थी। इन अध्ययनों में परीक्षण किए गए कई जानवर पहले ही मर चुके थे; अन्य जीवित थे और अन्य अध्ययनों का हिस्सा थे।

शोधकर्ताओं ने इन विश्लेषणों में लगभग एक तिहाई जानवरों में कृंतकनाशकों का पता लगाया, जिनमें बॉबकैट, लोमड़ी और वीज़ल शामिल हैं। उन्होंने सीधे तौर पर जहर के कारण मृत जानवरों में से एक तिहाई की मौत की बात कही। यह आमतौर पर, जानवरों के जिगर के ऊतकों में रसायनों को ढूंढकर पता लगाया गया।

इन अध्ययनों में जिन अधिकांश जहरों का पता चला, वे तथाकथित दूसरी पीढ़ी के थक्का-रोधी कृंतकनाशक थे, जो 1970 के बाद विकसित किए गए थे। इन उत्पादों का उपयोग विशेष रूप से आवासीय और शहरी क्षेत्रों में किया जाता है और ये केवल एक बार खाने के बाद चूहे को मार सकते हैं। पहली पीढ़ी के कृंतकनाशक, जो आम तौर पर केवल खेतों में उपयोग किए जाते हैं, को मारने के लिए कई खुराक की आवश्यकता होती है।

ये जहर व्यापक रूप से उपलब्ध हैं, और अधिकांश देशों में इनका उपयोग बड़े पैमाने पर बिना किसी नियम के किया जाता है। कृंतकनाशकों का उपयोग बढ़ने का अनुमान है और यह दुनिया भर में कई मांसाहारी प्रजातियों में गिरावट में योगदान दे सकता है।

जब जंगली जानवर चूहे के जहर का सेवन करते हैं - आमतौर पर, मरे हुए जहरीले चूहे को खाने से तो इसकी वजह से उन्हें आंतरिक रक्तस्राव और घाव, सुस्ती और कम प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया जैसे प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है, जो उन्हें अन्य बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना सकती है। कई मामलों में जानवर मर जाएगा. कभी-कभी ये मौतें इतने बड़े पैमाने पर होती हैं कि स्थानीय स्तर पर उनकी आबादी कम हो जाती है।

हमने चूहे के जहर के संपर्क में आने वाली 34 प्रजातियों की एक सूची संकलित करके अपनी समीक्षा शुरू की।

तिरंगा रैली

श्रीनगर में सोमवार को डल झील पर 78वें स्वतंत्रता दिवस से पहले 'तिरंगा रैली' में भाग लेते हुए।

क्या देश की व्यवस्था के खिलाफ युवाओं के गुस्से ने शेख हसीना के शासन को उखाड़ फेंका?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ढाका। देश की व्यवस्था के प्रति निराशा जाहिर करते हुए एक विश्वविद्यालय की छात्रा जन्नत-उल प्रोम कहती हैं कि डिग्री पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई या संभवतः नौकरी के लिए वह बांग्लादेश छोड़ देंगी क्योंकि यहां की व्यवस्था में योग्य उम्मीदवार के लिए कोई जगह नहीं है और युवाओं को बेहद कम अवसर मिलते हैं।

प्रोम ने कहा, ''हमारे यहां दायरा बेहद सीमित है।'' उन्होंने कहा कि अगर उनके परिवार के पास उन्हें और उनके बड़े भाई के खातिर विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की फीस के लिए पर्याप्त धन होता तो वह पहले ही घर छोड़ देतीं। लेकिन हाल की घटनाओं से उनके मन में उम्मीद जगी है कि एक दिन बांग्लादेश में हालत बदलेंगे। देश की सत्ता में 15 वर्ष रहने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने युवाओं के प्रदर्शन के चलते पिछले सप्ताह पद से इस्तीफा दे दिया और देश छोड़कर चली गईं। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों में प्रोम भी शामिल थी। उनका कहना है कि जिस तरह से शेख हसीना के निरंकुश शासन ने असहमति को दबाया, अभिजात वर्ग को तरजीह दी और असमानताओं को बढ़ाया, उससे युवा तंग आ चुके थे। जून में छात्र बांग्लादेश की सड़कों पर उतर आए थे और मांग कर रहे थे कि उन नियमों को समाप्त किया जाए जिसके तहत 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वाले लड़ाकों के रिश्तेदारों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया था। छात्रों के आंदोलन का केंद्र वह नौकरियां भी थीं जिन्हें देश में सबसे स्थिर और सबसे अधिक वेतन वाली माना जाता है, लेकिन हाल के वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था में तेजी के बावजूद मध्यम वर्ग को इस तरह की नौकरियों में पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाए। यह बात भी हैरान करने वाली है कि बिल्कुल नई युवा पीढ़ी ने इस विद्रोह का नेतृत्व किया। प्रोम जैसे युवा बांग्लादेश में नौकरी के अवसरों की कमी से सबसे अधिक निराश और प्रभावित हैं। जुलाई के मध्य में हसीना ने युवाओं की मांगों को हल्के में लेते हुए सवाल पूछा था कि अगर नौकरियां स्वतंत्रता सेनानियों को नहीं दी जानी चाहिए तो फिर किसे दी जानी चाहिए।'

अंतरिक्ष यात्रा में धरती पर लौटना सबसे रोमांचकारी हिस्सा, लगा था कि यह संभव नहीं होगा : राकेश शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने सोमवार को कहा कि सोयुज अंतरिक्ष यान से धरती पर वापस आना उनकी अंतरिक्ष यात्रा का सबसे रोमांचकारी अनुभव था और एक पल के लिए उन्हें लगा कि वह सुरक्षित वापस नहीं आ पाएंगे।

शर्मा ने 'ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद' तथा संयुक्त राष्ट्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'युवा सभा 2047: भारत के भविष्य को आकार देना' कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री के तौर पर अपने अनुभव साझा किए।

शर्मा ने पिक्सल स्पेस के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अवैस अहमद के साथ बातचीत में कहा कि वह अपनी अंतरिक्ष यात्रा के प्रक्षेपण चरण को लेकर चिंतित नहीं थे, क्योंकि सब कुछ कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित था। उन्होंने वापसी की यात्रा के अनुभव को याद करते हुए कहा, ''धरती पर लौटना ज्यादा रोमांचक था, क्योंकि मुझे लगा कि मैं सफल नहीं हो पाऊंगा...तभी पैराशूट खुला और अंदर बहुत जोर से आवाज आई, जिसके लिए हम तैयार नहीं थे।''

शर्मा को जनवरी 1982 में सोवियत इंटरकोस्मोस मिशन के लिए चुना गया और उन्होंने तीन अप्रैल 1984 को बैकोनूर कॉस्मोड्रोम से सोयुज टी-11 अंतरिक्ष यान पर उड़ान भरी। उन्होंने अंतरिक्ष में सात दिन, 21 घंटे और 40 मिनट बिताए और 11 अप्रैल को धरती पर लौट आए। उन्होंने सोयुज अंतरिक्षयान के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के पल को याद करते हुए कहा, ''धातु का छल्ला अंतरिक्षयान के हुक से रगड़ खाता है और इसकी घंटी के आकार की वजह से, आवाज अंदर से बढ़ जाती है। मुझे यकीन था कि पैराशूट अलग हो जाएगा और बाकी की यात्रा उड़ान की तरह होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।''

अंतरिक्ष यान की उड़ान के बारे में उन्होंने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष शटल प्रणाली से अंतरिक्ष यात्रियों को बाहर देखने मौका था, जबकि रूसियों ने पूरे रॉकेट को आवरण से ढक दिया था, जिससे बाहर देखने का कोई अवसर नहीं बचा।

शर्मा ने कहा, ''आप कंपन महसूस करते हैं जो इंजन की तरफ से आता है और गुरुत्व बल लगातार बढ़ता रहता है। इसलिए, लॉन्च विशेष रूप से चिंताजनक नहीं था, क्योंकि सब कुछ कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित था।''

पूर्व अंतरिक्ष यात्री ने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को अमेरिकी खगोलशास्त्री और 'साइंस कम्युनिकेटर' कार्ल सागन की कृतियां पढ़ने की सिफारिश की। शर्मा ने कहा कि सागन ने ''अवलोकन प्रभाव'' को मूर्त रूप दिया, जिसका मतलब है कि अंतरिक्ष से धरती को देखने पर अंतरिक्ष यात्री संज्ञानात्मक बदलाव का अनुभव करते हैं।

भारत इस साल के अंत में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और निजी अंतरिक्ष कंपनी 'एक्सिओम' के साथ संयुक्त मिशन के तहत अपने अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर रहा है।

भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन-4 के लिए ह्यूस्टन में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए कंपनी का चौथा वाणिज्यिक मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है।

भारत ने अगले वर्ष अंतरिक्ष यात्रियों को 400 किलोमीटर की कक्षा में भेजने के लिए गगनयान मिशन की भी घोषणा की है।

कल रिलीज होगी 'स्त्री 2'

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' अब 14 अगस्त को रिलीज होगी। फिल्म 'स्त्री 2' वर्ष 2018 में रिलीज सुपरहिट फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। फिल्म 'स्त्री 2' में श्रद्धा कपूर, राज कुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना, तमन्ना भाटिया, अभिषेक बनर्जी जैसे कलाकार हैं।अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2, पहले 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब रिलीज डेट में बदलाव हुआ है। 'स्त्री 2' 14 अगस्त को रात, 9:30 रिलीज होने वाली है।

मैडॉक फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर घोषणा की है कि फिल्म स्त्री 2 ,स्वतंत्रता दिवस की एक रात पहले 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसके शो रात में 9.30 बजे से शुरू होंगे।मैडॉक फिल्म्स ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा- 'स्त्री अब अपने समय से पहले आ रही है।

'स्त्री 2' अब 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एडवांस बुकिंग अब शुरू हो गई है। वो स्त्री है, वो कुछ भी कर सकती है। इसलिए वो आ रही है एक रात पहले, सिर्फ आपके लिए। इसलिए अपनी टिकट बुक कर लें।' 'स्त्री 2' का निर्माण दिनेश विजान ने मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज की ज्योति देशपांडे के साथ मिलकर किया है।

वादा

मुंबई में सोमवार को जारी किए गए स्ट्रीमिंग शो 'ये मेरी फैमिली' सीजन 4 के ट्रेलर ने दर्शकों को 90 के दशक में वापस ले जाने का वादा किया है, जो मासूम खुशियों, दिल से जुड़े रिश्तों और अटूट पारिवारिक बंधनों का युग था।

ऑस्ट्रेलियाई संसद में भाषण देंगी रानी मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

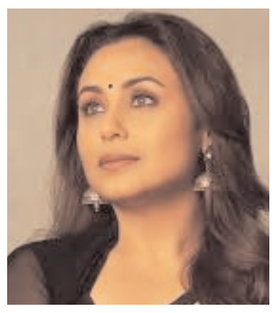

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी और फिल्मकार करण जौहर 13 अगस्त को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न के आयोजन से पहले ऑस्ट्रेलियाई संसद में भाषण देंगे। फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न की शुरुआत 15 अगस्त से होगी, जो 25 अगस्त तक चलेगा। वहीं इस फेस्टिवल के शुरूआत से दो दिन पहले यानी 13 अगस्त को रानी मुखर्जी और करण जौहर भाषण देंगे। करण जौहर ने कहा, ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में बोलने के लिए आमंत्रित किए जाने पर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बनकर और भारतीय सिनेमा की अविश्वसनीय यात्रा का जश्न मनाकर रोमांचित हूं। यह देखना अविश्वसनीय है कि एक उद्योग के रूप में हम जो कहानियां बनाते हैं वे कितनी दूर तक यात्रा करती हैं और यह क्षण भारतीय सिनेमा के सांस्कृतिक प्रभाव के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमाण है। रानी मुखर्जी का कहना कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया की संसद में भारतीय फिल्म बिरादरी का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व हैं। रानी ने इसे मील का पत्थर बताते हुए कहा कि सिनेमा के जरिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते सांस्कृतिक संबंधों पर बातचीत करना उनके लिए सम्मानजनक बात होगी।

प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की आने वाली फिल्म द ब्लफ की शूटिंग पूरी हो गयी है। प्रियंका इन दिनों फिल्म द ब्लफ को लेकर चर्चा में हैं।इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गयी है। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर फिल्म द ब्लफ की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें शेयर की हैं और इसके साथ ही एक नोट भी शेयर किया है। प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। प्रियंका ने फोटो शेयर करते हुए लिखा कि द ब्लफ पर यह एक पिक्चर रैप है। इसे अपने परिवार और फिल्म को संभव बनाने वाले अविश्वसनीय लोगों की मौजूदगी में करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।यह वाकई में प्यार की मेहनत रही है। फ्रेंकी ई फ्लावर्स के विश्वास के बिना यह संभव नहीं हो पाता। इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ खूबसूरत ऑस्ट्रेलिया में पूरी टीम के साथ काम करने में सफल होना बहुत मजेदार रहा था। जितना मुझे यहां यह फिल्म बनाना पसंद आया, मैं घर जाते हुए भी बहुत खुश हूं।

मुझे हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती : कीर्ति कुल्हारी

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस कीर्ति कुल्हारी ने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। वह ओटीटी पर भी कई अच्छे प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं। इन दिनों वह अपकमिंग डिटेक्टिव ड्रामा 'शेखर होम' को लेकर चर्चाओं में हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि उन्हें हमेशा ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें उनकी कोई दिलचस्पी नहीं होती। कीर्ति ने कहा, मैं ऐसी फीचर फिल्मों पर काम कर रही हूं, जो अभी रिलीज नहीं हुई हैं। मैं प्रोडक्शन के बारे में भी सोच रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और बदलाव की जरूरत है। मुझे ऐसे ऑफर मिलते हैं, जिनमें मेरी दिलचस्पी नहीं होती। उन्होंने कहा, काम की क्वांटिटी कभी-कभी क्वालिटी को प्रभावित कर सकती है। ओटीटी और फिल्म स्टार्स के बीच का अंतर खत्म किया जाना चाहिए। सभी को समान रूप से पहचाना जाना चाहिए। इस सीरीज में मेरा रोल रिफ्रेशिंग चेंज है, इसमें डिटेक्टिव एलिमेंट्स को कॉमेडी के साथ जोड़ा गया है और यह मेरे पिछले काम की तुलना में कुछ नया है।'' 'शेखर होम' में के. के. मेनन जासूस शेखर होम का रोल निभा रहे है, जबकि कीर्ति कुल्हारी का किरदार शो के सस्पेंस और कॉमेडी में तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस सीरीज में दोस्ती, प्यार, विश्वासघात और अपराध जैसे रोमांचक ट्विस्ट है। इसमें रणवीर शौरी जयव्रत साहनी की भूमिका में हैं। 'शेखर होम' का प्रीमियर 14 अगस्त से जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो कीर्ति ने 2010 में फिल्म 'खिचड़ी: द मूवी' से अपने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह 'शैतान', 'सुपर से ऊपर', 'जल' जैसी फिल्मों में नजर आईं। कीर्ति को 2016 की लीगल थ्रिलर फिल्म 'पिंक' में फलक के किरदार में देखा गया। इसका निर्देशन अनिरुद्ध रॉय चौधरी ने किया और फिल्म की कहानी शूजित सरकार, रितेश शाह और अनिरुद्ध ने लिखी।

डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मैन' 20 को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

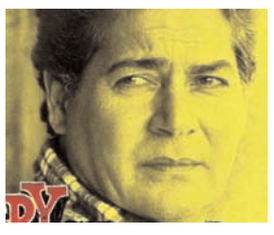

बॉलीवुड के सबसे मशहूर स्क्रिप्ट राइटर्स सलीम खान और जावेद अख्तर पर आधारित डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मैन' 20 अगस्त को रिलीज होगी। सलीम खान के बेटे सलमान खान और जावेद अख्तर के बेटे फरहान खान और बेटी जोया अख्तर ने साथ मिलकर सलीम-जावेद की जोड़ी पर डाक्यूमेंट्री सीरीज एंग्री यंग मैन बनाई है।अमेजन प्राइम वीडियो के लिए बनी इस डाक्यूमेंट्री सीरीज को 20 अगस्त को प्रदर्शित किया जाएगा। सलमान खान ने कहा,बड़े होते हुए, अपने पिता और जावेद साहब को फिल्मों में साथ काम करते देखना वाकई कमाल का अनुभव था। सिनेमा के लिए उनके जुनून ने एक पूरी पीढ़ी के लिए हीरोइज्म की परिभाषा बदल दी। मैं व्यक्तिगत तौर पर उन्हें भविष्य में फिर से साथ काम करते देखना पसंद करूंगा। मुझे उम्मीद है कि उनके प्रशंसक और दर्शक भी ऐसा ही चाहते हैं। यह सीरीज दोनों परिवारों के लिए खास है।

सलमान खान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए एंग्रीयंग मैन का पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'सलीम खान, जावेद अख्तर इन एंड एज एंग्री यंग मैन' वहीं फरहान अख्तर ने भी पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'वो जोड़ी जिसने अनगिनत कहानियां लिखीं। अब वक्त है उनकी कहानी सुनने का। सलीम-जवोद 20 अगस्त को एंग्री यंग मैन के जरिए वापस आ रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 13-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अग्रवाल बिज कनेक्ट(एबीसी) की स्थापना अग्रवाल व्यवसाय समुदाय को एक एकीकृत मंच पर लाने के स्पष्ट उद्देश्य से की गई है, जिससे ऐसे अवसर पैदा हो जो हर सदस्य के लिए सुलभ और लाभकारी हों।

विभिन्न विषयों पर केंद्रित रही 'शब्द' की रचनागोष्ठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' की बीते रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में कवियों ने स्वाधीनता, प्रकृति, पर्यावरण, विस्थापन, स्त्री विमर्श और पावस पर केंद्रित कविताओं का पाठ किया। 'शब्द' के वरिष्ठ सदस्य हंसराज मुणोत की अध्यक्षता में आयोजित इस रचनागोष्ठी के आरंभ में पंडित राजगुरु ने वीणा वादिनी की प्रार्थना में एक सुंदर स्वरचित गीत प्रस्तुत किया । चर्चित कवयित्री लवली गोस्वामी की स्त्री अनुभूति तथा अन्यान्य भावानुभूतियों की कविताएं श्रोताओं द्वारा खूब सराही गईं । युवा कवि दीपक सोपोरी की कविताओं में विस्थापन का दर्द मुखर था। अचला सिन्हा तथा कविता भट्ट की कविताएं प्रकृति के विविध रूपों एवं सावन से जुड़े स्त्री-मनोभावों पर केंद्रित थीं। श्रीकांत शर्मा तथा राजेन्द्र गुलेच्छा की कविताओं में आजादी के मनोभाव एवं मानवीय मूल्य का प्रभावी चित्रण था । आनंद मोहन झा के गीत हर बार की तरह इस बार भी मोहक एवं प्रभावकारी थे। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर की कविताओं में जीवन यथार्थ के प्रबल स्वर मुखर थे । रचनागोष्ठी की संचालक ऋताशेखर मधु की कविता एवं गीत स्वाधीनता के उच्छवास से ओतप्रोत थे; जबकि डॉ रमाकांत गुप्ता की रचना में वार्धक्य के आनंद को जीने की प्रेरणा थी। अध्यक्षीय उद्बोधन में हंसराज मुणोत ने प्रतिभागी कवियों के विविध काव्य स्वर की प्रशंसा करते हुए इसे काव्य कला का विशेष गुण बताया । उन्होंने अंत में आजादी के मनोभाव को चित्रित करती अपनी एक प्रभावशाली कविता सुनाई। प्रारंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने समागत कवियों का स्वागत किया । रचनागोष्ठी की उल्लेखनीय बात यह रही कि 'प्रथम अज्ञेय शब्द सम्मान' से सम्मानित मूर्धन्य कवि मदन कश्यप इसमें आरंभ से अंत तक श्रोता के रूप में उपस्थित रहे और प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया ।

रचनागोष्ठी में गोड़वाड़ भवन के कुमारपाल सिसोदिया भी थोड़े समय के लिए उपस्थित हुए और काव्य पाठ का रसास्वादन किया । उन्होंने साहित्य के संवर्धन में 'शब्द' के प्रयासों की प्रशंसा की । अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष के धन्यवाद उद्गार से रचनागोष्ठी संपन्न हुई ।

शुभ भाव के लिए हृदय में हित बुद्धि रखनी चाहिए

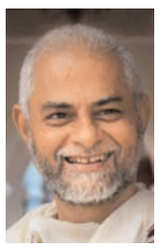

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम के तत्वावधान में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने संभवनाथ भवन में प्रवचन देते हुए कहा कि अंतःकरण में पवित्र एवं शुभभाव होने चाहिए । पवित्र एवं शुभ भाव के लिए हृदय में हित बुद्धि रखनी चाहिए। संसार में सुखी-दुखी, धर्मी-अधर्मी, गुणी-दुर्गुणी, विवेकी-अविवेकी जीव मिलेंगे क्योंकि संसार में सब समान नहीं होते हैं । परंतु दुखी को देखकर कभी खुश नहीं होना चाहिए, नहीं तो पाप कर्म का बंध होता है। दुखी को देखकर खुश होने पर दुखी व्यक्ति के दुख की अनुमोदना होने से पाप का बंध होता है। इस तरह गुण संपन्न को देखकर मन प्रफुल्लित हो जाना चाहिए। गुणवान को देखकर कभी ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए। मन में ईर्ष्या के भाव न आ जाए, इसीलिए प्रमोद भावना करने का शास्त्र में कहा गया है। पुण्यशाली, सुखी संपन्न व्यक्ति सामने मिले तो भी प्रमोद भावना करनी है कभी भी ईर्ष्या नहीं करनी चाहिए । ईर्ष्या न करने पर हमारी आत्मा शांत-प्रशांत बनती है।

अग्रवाल बिज कनेक्ट 'एबीसी' व्यावसायिक ग्रुप में कनेक्ट हुए हजार से अधिक व्यवसायी

21 को एबीसी का होगा उद्घाटन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अग्रवाल बिज कनेक्ट(एबीसी) की स्थापना अग्रवाल व्यवसाय समुदाय को एक एकीकृत मंच पर लाने के स्पष्ट उद्देश्य से की गई है, जिससे ऐसे अवसर पैदा हो जो हर सदस्य के लिए सुलभ और लाभकारी हों। यह एक तेज़ी से बढ़ता हुआ व्यवसाय रेफरल संगठन हैं, जिसमें एक हजार से ज्यादा व्यवसायी जुड़े है और एक दूसरे के सहयोग करने की भावना से एक साथ एक मंच पर आए हैं। ज्ञातव्य है कि अग्रवाल समुदाय को लंबे समय से व्यवसाय जगत में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली शक्ति के रूप में पहचाना जाता है। जो भारत के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अग्रवालों की नींव रचनात्मकता, नवाचार और कड़ी मेहनत, ईमानदारी और एकजुटता के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की संस्कृति पर बनी है।

अग्रवाल बिज़ कनेक्ट के संस्थापक महेश मित्तल, अशोक अग्रवाल ने बताया कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देने के कटिबद्ध हैं, जहां आपसी सहयोग से हर सदस्य कामयाब हो सके और वैश्विक व्यवसाय परिदृश्य में योगदान दे सके। एबीसी समिति के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल उपाध्यक्ष आरती बैद, सचिव राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष निकेश गर्ग, संयुक्त सचिव पंकज पटवारी, सदस्य अजय भाहुवाला, मनोज सरावगी, अनीता मखरिया सतीश मित्तल, हर्षिल मित्तल ने भाग लिया। एबीसी 21 अगस्त को बसंतनगर स्थित शंग्रीला होटल में शाम 5.30 बजे से एक व्यवसायिक आयोजन व उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है जिसमें अग्रवाल समुदाय के 300 से अधिक सदस्य भाग लेंगे । जाने माने व्यक्तित्व विकास व बिजनेस गुरु डॉ. जगत शाह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित होकर संबोधित करेंगे।

खंडेलवाल तीज महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के खंडेलवाल समाज की महिलाओं ने सावण महोत्सव के उपलक्ष्य में तीज महोत्सव का आयोजन राजस्थानी ढाणी रिसॉर्ट्स में खंडेलवाल युवा चैप्टर के अध्यक्ष मितेश खंडेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया। इस अवसर पर महिलाओं ने राजथानी वेशभूषा मे सजकर कई सांस्कतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। एकता और मंजरी ने सभी का स्वागत किया। सभी महिला प्रतिभागियों को तीज का उपहार दिया गया। प्राची खंडेलवाल, मोहित खंडेलवाल आदि ने व्यवस्था संभाली।

सम्राट संप्रति के युग में विदेशों में पहुंचा जैनधर्म : आचार्य विमलसागरसूरी

पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में विदेशों में जैनधर्म विषय पर विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीर्थंकर महावीरस्वामी के जाने के करीब 300 वर्ष बाद अखंड भारत की सरहदों के बाहर अनेक देशों में जैनधर्म का व्यापक प्रसार-प्रचार हुआ था। उस जमाने में चारों वर्णों के विविध जाति-वर्गों के करीब चालीस करोड़ लोग जैन धर्म का परिपालन करने लग गये थे। ये उल्लेख अपने संशोधनों के आधार पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और कोलकाता के पुरातत्वविद कृष्णलाल बनर्जी ने अपने इतिहास संबंधी ग्रंथों में किये हैं। जैनाचार्य सुहस्तिसूरी के मार्गदर्शन में मौर्य सम्राट् अशोक के पौत्र और मालवा के तत्कालीन सम्राट् संप्रति ने अपने जीवन के अनेक अमूल्य वर्ष जैनधर्म, शाकाहार और मानवता की सेवा में लगा दिये थे। आज देश-विदेश से प्राप्त होती अधिकांश जैन मूर्तियां उसी कालखंड की हैं।

सम्राट् संप्रति के युग में नेपाल, तिब्बत, भूटान, बर्मा, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, लाहौर, कराची, इस्लामाबाद, काबुल, कंधार, तजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब, यमन, जॉर्डन, सीरिया, तुर्की, मध्य एशिया, चीन और मंगोलिया तक जैन साधुओं का विचरण होता था। वहां से प्राप्त होते ऐतिहासिक साक्ष्य इस बात को सिद्ध करते हैं। पर्याप्त संसाधनों के बिना भी तत्कालीन तकनीकों के आधार पर उस युग में धर्म, समाज, साहित्य, कला, स्थापत्य, शाकाहार और संस्कारों के लिए अद्भुत कार्य हुआ था। तकनीकी विकास और नानाविध संसाधनों के बीच जीते आधुनिक समाज के लिए ये बातें प्रेरणा का पाथेय है। चीनी बौद्ध यात्री हुएन सोंग और अनेक विदेशी विद्वानों ने भी इन तथ्यों के भरपूर उल्लेख किये हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने बताया कि आज भी अनेक देशों के संग्रहालयों और पुस्तकालयों में जैनधर्म की हजारों ऐतिहासिक प्राचीन सामग्रियां पड़ी हैं, जो उस जमाने के लोगों के धर्म के प्रति समर्पण और योगदान को दर्शाती हैं। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि मंगलवार को जैनधर्म के तेबीसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक महोत्सव हजारों की उपस्थिति में मनाया जायेगा। पार्श्वनाथ भगवान के भारत भर के 108 प्राचीन तीर्थों केचित्रों को यहां दर्शनार्थ स्थापित किया जाएगा।

उपप्रवर्तक नरेशमुनि के जन्मदिवस पर बेंगलूरु के श्रद्धालुओं ने दी शुभकामनाएं, किए दर्शन

श्रद्धालुओं ने आगामी चातुर्मास व पुष्कर भवन के उद्घाटन के लिए किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/रायचूर। स्थानीय रायचूर संघ में पुष्कर कुल कमल दिवाकर राष्ट्रसंत उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी का जन्मदिवस तप त्याग एवं भिक्षु दया के रूप में मनाया गया।

इस मौके पर बेंगलूरु के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख मार्गदर्शक बाबूलाल रांका, महावीर धारीवाल, अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोक रांका, महामंत्री महावीरचंद मेहता, मंत्री प्रवीण नेतानी, कोषाध्यक्ष फूलचंद लुंकड, ईटा गार्डन संघ के अध्यक्ष नानालाल जैन, मंत्री सुरेन्द्र भंसाली, अक्कीपेट संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, मागडी रोड संघ के मंत्री अशोक मेहता, राजाजीनगर संघ के सहमंत्री राकेश दलाल, चामराजपेट संघ के अध्यक्ष सुखवीर कोठारी, पार्क वेस्ट संघ के अध्यक्ष चंदुलाल लुकंड, मंत्री अशोक लोढा, यशवंतपुर संघ के अध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत, मंत्री रमेश बोहरा, श्रीरामपुरम संघ के दिनेश खींवसरा, हनुमंतनगर संघ के महावीर धारीवाल सहित लगभग 40 सदस्य उपस्थित थे। सभी ने गुरुदेव के जन्म दिवस की बधाई देते हुए बताया कि गुरुदेव नरेशमुनिजी व गुरुणीश्री डॉ दर्शनप्रभाजी की निश्रा में गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केंद्र का निर्माण कार्य चल रहा है । सभी श्रद्धालुओं ने गुरुदेव नरेशमुनिजी ने इस नवनिर्मित भवन का उद्घाटन एवं वर्ष 2025 के प्रथम चातुर्मास के लिए निवेदन किया।

इसके साथ ही कामधेनु गौशाला ट्रस्ट से शारदा चौधरी, पुष्पा बोहरा, मंत्री दिनेश खिंवेसरा, महेंद्र कोठारी एवं रूपचंद कुमट सहित कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे। पशु चिकित्सालय के लिए कामधेनु गोशाला ने जमीन का क्रय कर लिया और उसके भूमि पूजन के लिए गुरुदेव को निश्रा प्रदान करने का निवेदन किया। गुरुदेव ने समस्त कार्यक्रमों में भाग लेने व बेंगलूरु में चातुर्मास करने का आश्वासन दिया। चातुर्मास के आश्वासन से ही बेंगलूरु के स्थानकवासी सम्प्रदाय में हर्ष की लहर उमड़ पड़ी। यह जानकारी ट्रस्ट के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने दी।

जोधपुर एसोसिएशन जोधपुर के महाविद्यालय में बनवाएगा 7 कमरों का ब्लॉक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जोधपुर एसोसिएशन की कार्यकारिणी समिति की बैठक एक होटल में आयोजित हुई। अध्यक्ष राजेंद्र सिंघी ने सभी का स्वागत किया। मंत्री जितेन्द्र दुगड़ ने 2 वर्ष की गतिविधियों सहित मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने हिसाब किताब पेश किया। ऑडिटर गोपाल राठी की नियुक्ति पुनः की गई। पूर्व मंत्री सज्जनराज मेहता ने बताया कि कार्यकारिणी समिति ने निर्णय लिया है कि सदस्यों के सहयोग से जोधपुर शहर के कमला नेहरूनगर स्थित महिला पीजी महाविद्यालय में 7 कमरों का एक ब्लॉक उपलब्ध कराया जाएगा। संरक्षक धीरेंद्र कुमार, पदमराज मेहता, लक्ष्मीचन्द भंडारी, राजेन्द्र लोढा, उपाध्यक्ष रविन्द्र भंडारी, पूर्व मंत्री कैलाश भन्साली, निवर्तमान अध्यक्ष अशोक व्यास और मंत्री सज्जनराज मेहता ने विस्तृत चर्चा में भाग लिया। सभा के प्रायोजक सुरेश और विजय भण्डारी का आतिथ्य शानदार रहा और कोमल भण्डारी ने गेम्स का संचालन किया।

आईवीएफ अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार यात्रा पर हुई चर्चा, संयोजक नियुक्त हुए

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा आगामी समय में भारत और वियतनाम के बीच अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की संभावनाओं को तलाशने के लिए वियतनाम की व्यापारिक यात्रा आयोजित की जाएगी।

फेडरेशन के सहमंत्री ललित डाकलिया ने इस संबंध में बैठक आयोजित की गई जिसमें इस यात्रा के दौरान वहां के भारतीय अधिकारियों की मदद से वियतनाम के मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों के साथ अलग अलग दौर की बैठक में वियतनाम और भारत के साथ व्यापारिक

संभावनाओं के बारे में बातचीत करने पर चर्चा हुई। इस व्यापारिक यात्रा हेतु रितु अग्रवाल, बिपिनराम अग्रवाल, ललित डाकलिया, हरिप्रसाद वर्धा और साईंराज को संयोजक नियुक्त किया गया है। बैठक में अध्यक्ष आरपी रविशंकर, कार्यकारी अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, रविराम सिंघानिया, मंत्री शबरीश, अरविन्द अग्रवाल, संदीप चनानी और केआर कृष्णा आदि उपस्थित थे।

उपकारियों के उपकार को हमेशा याद रखना चाहिए : मुनि मलयप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में मुनिश्री मलयप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि उपकारियों के उपकार को हमें हमेशा याद रखना है।

परमात्मा नेमिनाथ भगवान के दीक्षा कल्याणक दिवस के उपलक्ष्य में परमात्मा के जीवन चरित्र के बारे में बताया और जिनशासन के समृद्ध इतिहास के पन्नों से जिनशासन के छगनसगर जी महाराज के 58 दिवस के उपवास के पश्चात देवलोक गमन के दिवस पर खरतरगच्छ दिवस मनाने की परम्परा के बारे में बताया। साध्वीश्री

स्वर्णांजनाश्रीजी ने कहा कि 1006 वर्ष पूर्व विक्रम संवत 1075 में दुर्लभ राजा द्वारा वर्धमानसूरीजी के शिष्य जिनेश्वरमुनिजी को खरे यानी खरतर की उपाधि प्रदान की। यह जिनशासन भी एक फूलों का गुलदस्ता है।

खरतरगच्छ भी इस गुलदस्ते का एक फूल बनकर महक रहा है। इस जिनशासन में अनेक शूरवीर, धर्मवीर और दानवीर आप्त पुरुष हुए हैं।

तेयुप के तेरापंथ प्रीमियर लीग में चारित्र टीम रही विजेता

तेरापंथ किशोर मंडल ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन विजयनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में 'तेरापंथ प्रीमियर लीग-टीपीएल' आयोजित किया गया। तेयुप विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल ने निश्चित प्रश्नों पर आधारित ज्ञान वर्धक प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस अवसर पर साध्वीश्री ने स्वाध्याय करने से निर्जरा के महत्व को बताते हुए अध्यात्मिक विकास की प्रेरणा दी। इस प्रतियोगिता में ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप नाम की टीमों ने भाग लिया, क्रिकेट मैच की शब्दावली और नोक आउट आधारित प्रारूप में सेमीफाइनल और फाइनल मैच का आयोजन किया गया। फाइनल मैच में दर्शन और चारित्र टीम ने जगह बनाई और चारित्र टीम ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर विजयी हुई। विजेता टीम की कप्तान बरखा पुगलिया, मंजू गादिया, संपत चावत, वर्षा बैद, प्रियंका नाहटा,नूपुर चोपडा, रेखा छाजेड आदि का शानदार प्रदर्शन रहा।

इस अवसर पर अभातेयुप उपाध्यक्ष पवन मांडोत, सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, तेयुप मंत्री संजय भटेवरा, सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष विकास बांठिया और टीकेएम सह संयोजक रिशित छाजेड़ ने किया। किशोर मंडल संयोजक हर्ष मांडोत, सह संयोजक दर्शन बाबेल ने व्यवस्था संभाली।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com